हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 286, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 अप्रैल, 2022 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

अयोध्या राम मंदिर में राम नाम के लगेंगे पत्थर

नई दिल्ली। रामायुध अंकित गृह सोभा बरनि न जाइ नव तुलसिका बृंद तहं देखि हरष कपिराई श्रीराम चरितमानस की यह पंक्तियां वैष्णव उपासकों की पहचान हैं। दक्षिण से लेकर उत्तर भारत के मंदिरों में प्रायः यह पहचान अंकित मिलेगी। माता सीता खोज में लंका पहुंचे हनुमान जी को विभीषण के एक मात्र घर पर यह निशान मिले थे। अब रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के निमार्णाधीन मंदिर में भी यह पहचान दिखेगी।

इसके साथ राम मंदिर में रामनाम पत्थरों का भी प्रयोग किया जाएगा। इस आशय का संकेत हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन पर मंदिर निर्माण की इकाई एलएण्डटी की ओर से दिया गया। इसी योजना से प्रसन्न मुख्यमंत्री योगी ने भी गर्भगृह के स्थान पर लगाए जाने वाले ग्रेनाइट के ब्लाक पर रामनाम का स्टाम्प लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बारे में पूछने पर रामजन्मभूमि ट्रस्ट के न्यासी डॉ. अनिल मिश्र ने कोई तार्किक उत्तर नहीं दिया कि मुख्यमंत्री योगी की ओर से गर्भगृह के पत्थर पर रामनाम अंकित स्टाम्प लगाने का उद्देश्य क्या है। उन्होंने इस सवाल को भी टाल

दिया कि स्टाम्प बनवाने की भी जरूरत क्यों पड़ी। एलएण्डटी के अधिकारी भी इस बारे में कोई बात करने से कतरा रहे हैं। हालांकि ट्रस्ट के सूत्र बताते हैं कि राम नाम अंकित इन पत्थरों का उपयोग मंदिर निर्माण में किया जाएगा। रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के दर्शनार्थी भक्तों में किसी प्रकार अपराध बोध का भाव न जगे, इसको लेकर रामजन्मभूमि ट्रस्ट के सुझाव को उत्तर प्रदेश शासन ने स्वीकार कर लिया है। अब दर्शनार्थियों की जांच करने वाले महिला-पुरुष आरक्षियों को पुलिस वर्दी के बजाय सादे वस्त्रत्त में रहने का निर्देश दिया गया है। उनके लिए सफेद शर्ट व काली पैंट को ड्रेस कोड बना दिया गया है। इस ड्रेस कोड के साथ सभी आरक्षी अपना-अपना परिचय पत्र साथ रखेंगे। मालूम हो कि रामलला के दर्शनार्थियों की जांच दर्शन मार्ग पर तीन स्थानों पर जिन्हें क्रासिंग वन, टू व थ्री पर होती है।

भारत सर्वाधिक एफडीआई पाने वाला देश : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारत सर्वाधिक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्राप्त करने वाला देश बना हुआ है और भारतीय खुदरा निवेशकों ने शेयर बाजारों से एफपीआई के बड़ी मात्रा में धन निकासी के बाद पैदा हालात को संभालने की क्षमता विकसित की है। लोकसभा में प्रश्नकाल में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सवाल का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि विदेशी निवेश को केवल एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) और एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) से नहीं मापना चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआईआई और एफपीआई की निर्भरता ब्याज दरों पर होती है और उनमें उतार-चढ़ाव होता रहता है। उन्होंने कहा कि एफआईआई और एफपीआई आते-जाते रहते हैं। लेकिन आज भारतीय खुदरा निवेशकों ने साबित किया है कि कोई भी झटका लगे, उसे संभाला जा सकता है। गौरतलब है कि शशि थरूर ने भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा 1.14 लाख करोड़ रुपये से अधिक धन निकाले जाने का जिक्र करते हुए विदेशी निवेशकों का निवेश कम होने की प्रवृत्ति के बारे में सवाल किया था। इस पर वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि भारत में कोविड से पहले से सर्वाधिक एफडीआई आ रहा था, जो कोविड महामारी के संकट काल में भी अच्छी स्थिति में रहा और उसके बाद अब भी बेहद अच्छी स्थिति में है।

आशीष मिश्रा की बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लखीमपुर खीरी मामले पर सुनवाई के दौरान केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की बेल पर फैसला सुरक्षित रख लिया। यूपी सरकार की ओर से पेश सीनियर वकील महेश जेठमलानी ने माना कि यह एक गंभीर अपराध है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आरोपी आशीष मिश्रा के भागने का जोखिम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि न्यायाधीश कैसे पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर विस्तार से गौर कर सकता है? राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान यह भी आश्वासन दिया कि मामले के सभी गवाहों को उचित सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसका दावा याचिकाकताओं के वकीलों ने किया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को आशीष की जमानत रद्द करने के मामले में एसआईटी की जांच की निगरानी कर रहे सेवानिवृत्त न्यायाधीश की दो रिपोर्ट पर 4 अप्रैल तक जवाब देने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि निगरानी न्यायाधीश ने मामले में आशीष मिश्रा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत को रद्द करने के लिए राज्य सरकार को पत्र लिखा था। पिछले साल तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में हिंसा के दौरान आठ लोग मारे गए थे, जब किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इलाके के दौरे का विरोध कर रहे थे।

तीखे हुए सूर्यदेव के तेवर, बढ़ने लगा गर्मी का प्रकोप, बिजली खपत बढ़ी

नई दिल्ली। पश्चिमी राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के कुछ-कुछ इलाकों में रविवार को भीषण गर्मी का अहसास हुआ। वहीं, पूर्वी राजस्थान और झारखंड के कुछ-कुछ इलाकों में भी भीषण गर्मी महसूस की गई। राजस्थान का बाड़मेर रविवार को देश का सबसे गर्म स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि अगले पांच दिन तक झारखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में अगले पांच दिनों तक भीषण गर्मी का अहसास किया जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री अधिक 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सापेक्षिक आर्द्रता 69 प्रतिशत से 14 प्रतिशत के बीच रही। आईएमडी के अधिकारियों ने कहा कि लगातार शुष्क मौसम रहने के कारण उत्तर पश्चिम भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने 3 से 6 अप्रैल के बीच कुछ स्थानों पर भीषण लू चलने का पूवार्नुमान जताया है। एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियों को उम्मीद है कि पारा चढ़ने के साथ ही मांग बढ़ने से इस वर्ष उनकी बिक्री में

दहाई अंक यानी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होगी। हालांकि, उनका कहना है कि घरेलू एयर कंडीशनर के दाम करीब पांच फीसदी बढ़ सकते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने हाल में कहा था कि इस वर्ष अप्रैल और मई माह में तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है।

इससे उत्साहित एसी मैन्युफैक्चरर कंपनियां वोल्टास, हिताची, एलजी, पैनासॉनिक और गोदरेज अप्लायंसेज का मानना है कि इस बार मांग बढ़ेगी। इससे पहले दो साल कोविड-19 के कारण बाजार में बाधा पैदा हो गई थी। कुछ कंपनियों का कहना है कि इस मौसम में एसी की अधिक मांग होने के कारण एसी और ठंडक प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की कमी हो सकती है। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरण विनिमार्ता संघ (सीईएएमए) ने उम्मीद जताई कि गर्मियों के इस मौसम की साल की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 35 से 40 फीसदी हो सकती है। सीईएएमए के अध्यक्ष एरिक ब्रेगेंजा ने कहा बीते कुछ वर्षों से कीमतें अस्थिर रही हैं। महामारी से हालात और भी बदतर हो गए। बीते 18 महीनों में उपभोक्ता उपकरण क्षेत्र में कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ीं। जिंस तथा कच्चे माल के दाम बढ़ने से उद्योग लगातार दबाव में है।

उन्होंने कहा कि मूल्यवृद्धि उपभोक्ताओं को तुरंत प्रभावित नहीं करेगी, क्योंकि मार्च-अप्रैल, 2022 तक का उत्पादन पहले से तय है। मई से कीमतें बढ़ सकती हैं। व्यस्त समय की अधिकतम बिजली की मांग या एक दिन में सबसे ऊंची आपूर्ति पहली अप्रैल को एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़कर 198.47 गीगावॉट पर पहुंच गई है।

सीएम योगी ने शुरू किया प्रदेशव्यापी स्कूल चलो अभियान बोले- बेसिक शिक्षा सुधरी तो दुरुस्त होगी आगे की राह

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल में स्कूल चलो अभियान को मिशन के रूप में लिया है। उनका लक्ष्य साक्षरता दर में पिछड़े जिलों को मुख्यधारा में लाने का है। इसी क्रम में उन्होंने साक्षरता दर में

सबसे पिछड़े जनपद श्रावस्ती से प्रदेशव्यापी स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी दूसरी पारी में प्रदेश की प्राइमरी तथा बेसिक शिक्षा के स्तर को सुधारने के साथ ही सभी जिलों में सारक्षता दर को आगे बढ़ाने की मुहिम छेड़ दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को प्रदेश के सबसे कम साक्षरता दर वाले श्रावस्ती जिले से राज्य भर में स्कूल चलो अभियान शुरू किया। इनका लक्ष्य श्रावस्ती के साथ प्रदेश के अन्य पिछड़े जिलों को साक्षरता की मुख्यधारा में लाने का है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करने के लिए प्रदेश की बेसिक शिक्षा को दुरुस्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि व नागरिक स्कूलों को गोद लें। हम-आप मिलकर शिक्षक सुधार करेंगे। शिक्षकों के साथ जनप्रतिनिधि व नागरिक शैक्षिक सुधार पर काम करें। एक-एक स्कूल गोद लें। वहां हर बुनियादी सुविधा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करे। बेसिक शिक्षा सुधरी तो आगे की शिक्षा भी दुरुस्त हो जाएगी। उन्होंने कहा वर्ष 2017 से पूर्व परिषदीय स्कूल बदहाल थे। पढ?-लिखने का माहौल ठीक नहीं था। इसे पटरी पर लाने के लगातार प्रयास हो रहे है। मिशन कायाकल्प के तहत स्कूलों की तस्वीर बदली जा रही है। हमारे स्कूल दिखने में सुंदर हो यह जरूरी है। स्कूल में व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ हमें छात्र-छात्राओं की उपस्थिति पर भी काम करना है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि शत प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएं। इसके लिए अभिवाकों को प्रेरित करें। शिक्षक घर-घर जाकर अभिवाकों से बच्चों को स्कूल भेजने के लिए कहें। कोई बच्चा स्कूल नहीं आया है तो उनका कारण जाने।

अगर मुसलमान पीएम बने तो 50 फीसदी हिन्दू कबूल कर लेंगे इस्लाम नरसिंहानंद का विवादित बयान

नई दिल्ली। विवादित बयानों और टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध डासना देवी मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद सरस्वती अपनी इस एक और टिप्पणी के साथ विवाद खड़ा कर दिया है कि अगर कोई मुसलमान भारत का प्रधानमंत्री बनता है तो 20 सालों में 50 प्रतिशत हिंदू धर्मांतरित हो जाएंगे। दिल्ली में आयोजित की गई एक 'हिंदू महापंचायत को संबोधित करते हुए उन्होंने हिंदुओं को अपने अस्तित्व के लिए लड़ने के लिए हथियार उठाने का भी आह्वान किया। इस हिंदू महापंचायत का आयोजन बुराड़ी मैदान में उसी समूह द्वारा किया गया था, जिसने पहले हरिद्वार में और राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर इसी तरह के विवादास्पद कार्यक्रम आयोजित किए थे, जहां मुस्लिम विरोधी नारे लगाए गए थे। इस हिंदू महापंचायत के लिए दिल्ली प्रशासन ने अनुमति नहीं दी थी। रविवार के कार्यक्रम में कई अन्य हिंदूवादी नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। नरसिंहानंद फिलहाल हरिद्वार में दिए गए अभद्र भाषण मामले में जमानत पर हैं। उन्होंने कहा कि केवल 2029 में या 2034 में या 2039 में एक मुसलमान प्रधानमंत्री बन जाएगा। एक बार मुसलमान पीएम बन जाएगा तो 50 प्रतिशत हिंदू धर्मांतरित हो जाएंगे, 40 प्रतिशत मारे जाएंगे और शेष 10 प्रतिशत अगले 20 वर्षों में शिविरों या अन्य देशों में शरणार्थी बनकर रहेंगे जिसमें आरोप लगाया गया था कि हिन्दू महापंचायत में एक हिंदू भीड़ द्वारा दो युवा मुस्लिम मीडियाकर्मियों पर हमला किया गया था और उन्हें हिरासत में भी लिया गया था। इस पर पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगनानी ने ट्विटर पर कहा कि किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया था। उन्होंने ट्वीट किया, "कुछ पत्रकार अपनी मर्जी से ही, भीड़ से बचने के लिए जो उनकी उपस्थिति से उत्तेजित हो रही थी, कार्यक्रम स्थल पर तैनात पीसीआर वैन में बैठ गए और सुरक्षा कारणों से पुलिस स्टेशन जाने का विकल्प चुना। किसी को हिरासत में नहीं लिया गया।

महंगाई को लेकर विपक्ष का राज्यसभा में जोरदार हंगामा, मंगलवार तक के लिए स्थगित हुई कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का आखिरी हफ्ता सोमवार से शुरू हो गया है। सोमवार को राज्यसभा में महंगाई को लेकर विपक्षी दलों ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी दल महंगाई के मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे थे। चर्चा की इजाजत नहीं मिलने पर हंगामा और ज्यादा हो गया। राज्यसभा की कार्यवाही को बार-बार स्थगित करना पड़ा।

विपक्षी दलों ने राज्यसभा में महंगाई के मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी। विपक्ष के कई सांसदों ने बढ़ती कीमतों को लेकर राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू को चर्चा के लिए नोटिस भी दिया था। हालांकि, नायडू ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके चलते विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे। बढ़ते हंगामे को देख राज्यसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। बता दें कि देश में बीते कुछ दिनों से पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। बढ़ती

महंगाई को लेकर विपक्षी दल सदन में सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक को इस सप्ताह संसद में पेश करने के लिए सदन में नियम 168 के तहत नोटिस दिया। वहीं, कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने श्रीलंका में राजनीतिक और आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया। सदन में कई महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश होंगे। सरकार राज्यसभा में सात महत्वपूर्ण विधेयक पेश करेगी। इनमें से तीन को लोकसभा पहले ही पारित कर चुकी है। राज्यसभा में पेश किए जाने वाले विधेयकों में लोकसभा से पारित त्रिपुरा से संबंधित संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (संशोधन) विधेयक, 2022 और दिल्ली नगर निगम (संशोधन) विधेयक 2022 शामिल हैं। इसके अलावा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, कास्ट एकाउंटेंट्स, वर्क्स एकाउंटेंट और कंपनी सेक्रेटरीज (संशोधन) विधेयक 2021 को भी उच्च सदन में पेश किया जाएगा।

यूपीए का अध्यक्ष बनने में दिलचस्पी नहीं बीजेपी के खिलाफ गठबंधन बना तो जरूर साथ दूंगा : पवार

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का अध्यक्ष बनने से इनकार कर दिया है। रविवार को कोल्हापुर में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह भाजपा विरोधी मोर्चे का नेतृत्व नहीं करेंगे और न ही यूपीए के अध्यक्ष बनने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, "मैं भाजपा के खिलाफ विभिन्न दलों के किसी भी मोर्चे का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी नहीं लेने जा रहा हूं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि केंद्र में भाजपा को विकल्प बनने से कांग्रेस को खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे उस स्थिति में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं है। मैं इसमें नहीं पड़ने वाला हूं। मैं वह जिम्मेदारी नहीं लूंगा। दरअसल, एनसीपी की युवा शाखा ने हाल ही में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें पवार को यूपीए का अध्यक्ष बनने के लिए कहा था। पवार ने कहा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर (भाजपा को) एक विकल्प देने का प्रयास किया जाता है तो वह किसी भी ब्लॉक को सहयोग, समर्थन और मजबूत करने के लिए तैयार हैं। भाजपा के खिलाफ मोर्चा चलाने में कांग्रेस की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूरे भारत में मौजूदगी है, भले ही फिलहाल ग्रैंड ओल्ड पार्टी सत्ता में नहीं है। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि देश के हर गांव, जिले और राज्य में आपको कांग्रेस के कार्यकर्ता मिल जाएंगे। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस की व्यापक उपस्थिति है। राकांपा प्रमुख ने कहा कि केंद्र में भाजपा को विकल्प बनने से कांग्रेस को खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे उस स्थिति में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं है। मैं इसमें नहीं पड़ने वाला हूं। मैं वह जिम्मेदारी नहीं लूंगा। दरअसल, एनसीपी की युवा शाखा ने हाल ही में एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें पवार को यूपीए का अध्यक्ष बनने के लिए कहा था। पवार ने कहा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर (भाजपा को) एक विकल्प देने का प्रयास किया जाता है तो वह किसी भी ब्लॉक को सहयोग, समर्थन और मजबूत करने के लिए तैयार हैं।

सीजेआई ने सीबीआई पर की टिप्पणी, तो रिजिजू बोले अब पिंजरे का तोता नहीं रही केंद्रीय एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमण ने 1 अप्रैल को सीबीआई के स्थापना दिवस पर सीबीआई को ही कठघरे में खड़ा कर दिया था। उन्होंने कहा था कि सीबीआई की विश्वसनीयता शक के दायरे में आ गई है। उनके इस बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सीबीआई अब 'पिंजरे में बंद तोता' नहीं रही। यह केंद्रीय एजेंसी अपने सभी दायित्व पूरी निष्ठा के साथ निभा रही है। रिजिजू के इस बयान को सीजेआई को केंद्र सरकार का जवाब माना जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश की सर्वोच्च आपराधिक जांच एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पिंजरे में बंद तोता की संज्ञा दी थी। वह वर्ष 2013 था, जब सुप्रीम कोर्ट की इतनी बड़ी टिप्पणी से सीबीआई की छवि को गहरा आघात पहुंचा था। मौजूदा चीफ जस्टिस ने भी तीन दिन पहले कुछ उसी तरह की टिप्पणी की थी। चीफ जस्टिस रमण ने सीबीआई के स्थापना दिवस पर आयोजित 19वां डीपी कोहली स्मृति व्याख्यान में कहा था कि गुजरते समय के साथ कई मामलों को लेकर सीबीआई की कार्रवाई और निष्क्रियता पर सवाल खड़े हुए हैं, जिसके चलते इस जांच एजेंसी की

विश्वसनीयता सार्वजनिक जांच के दायरे में आ गई है। उन्होंने विभिन्न जांच एजेंसियों को एक छत के नीचे लाने के लिए एक स्वतंत्र निकाय बनाने का भी आह्वान किया था। वहीं, कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने सीबीआई के जांच अधिकारियों के पहले सम्मेलन में अपने संबोधन का छोटा सा वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा, सीबीआई अब 'पिंजरे में बंद तोता' नहीं है, बल्कि वास्तव में भारत की टॉप आपराधिक जांच एजेंसी के रूप में अपना कर्तव्य निभा रही है। रिजिजू ने कहा, मुझे अच्छी तरह याद है कि एक समय था, जब सरकार में बैठे लोग कभी-कभी जांच में बाधा बन जाते थे। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2013 में कोयला खदान आवंटन मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई को 'पिंजरे में बंद तोता' करार दिया था।

रिजिजू ने कहा आज एक ऐसा प्रधानमंत्री है, जो खुद भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम में मुख्य भूमिका निभा रहा है। कानून मंत्री ने कहा मैं उन कठिनाइयों को जानता हूं जब सत्ता में बैठे लोग भ्रष्टाचार में शामिल होते हैं, तब उनका अनुपालन करना मुश्किल होता है, सीबीआई के लिए यह मुश्किल भरा रहा। तब हमने अतीत में न्यायपालिका से कुछ तल्ख टिप्पणियां सुनी हैं। हम अब एक लंबा सफर तय कर चुके हैं।

32 साल बाद सजा श्रीनगर का यह खास मंदिर पूजा के लिए जुटे बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित

नई दिल्ली। कश्मीरी पंडित हर साल नवरेह का त्यौहार मनाते हैं, लेकिन इस साल यह दिन कुछ खास रहा। करीब 32 सालों के लंबे इंतजार के बाद श्रीनगर में माता शारिका देवी मंदिर में एक बार फिर कश्मीरी पंडितों ने पूजा की। इस दौरान पूजा में शामिल होने वालों में वे लोग भी थे, जो हिंसा के दौर में पलायन के लिए मजबूर हुए थे। माता की भक्ति में शामिल हुए लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं था। साथ ही वे अपने पिछले और नए अनुभवों को भी साझा कर रहे थे। कश्मीरी पंडित कैलेंडर के अनुसार, नवरेह, नववर्ष का पहला दिन होता है। कार्यक्रम में सांसद सुब्रमण्यम स्वामी मुख्य अतिथि थे। श्रीनगर के मध्य में 'हरी पर्वत' नाम की छोटी पहाड़ी पर मौजूद माता शारिका देवी मंदिर में शनिवार को नजारा अलग था। तीन दशक से भी ज्यादा समय के बाद यह मौका आया था, जब कश्मीरी पंडित नवरेह के मौके पर माता की पूजा कर रहे हैं। इन्हीं लोगों में डॉक्टर रवीश का नाम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वे नहीं बता सकते हैं कि यहां आकर कैसा लग रहा है। रवीश बताते हैं कि जीवन के शुरूआती 20 सालों तक वे मंदिर आते रहे और यहां प्रार्थना करते थे। वे कहते हैं कि उनकी आत्मा यही थी, बस शरीर 32 सालों के बाद यहां आया है। रवीश भी 90 के दशक में आतंकवाद से परेशान होकर जगह छोड़ने को मजबूर हो गए थे। वे बताते हैं कि उनके माता-पिता भी इस मंदिर में आना चाहते थे, लेकिन इस इच्छा के साथ ही दुनिया से विदा हो गए। वे माता शारिका से सबकुछ ठीक होने का आशीर्वाद मांगते हैं। साथ ही चाहते हैं कि पुराना भाई चारा लौट आए। घाटी में दोबारा बसने की उम्मीद रखे लोगों में कश्मीरी पंडित विजय रैना का नाम भी शामिल है। उन्होंने कहा कि नए साल के दिन इस माहौल से विस्थापित हुए लोगों में अच्छा संदेश जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले हम सोचते थे कि यहा वापसी नहीं हो पाएगी, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है और लग रहा है कि पंडित समुदाय जल्द ही लौटेगा।

चिंतन मनन

इमरान की यार्कर

खैबर पख्तूनख्वा के लोअर दीर में एक रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान इमरान खान ने एक रैली में दावा किया था कि वे अपनी इनस्विंग यॉर्कर से विपक्ष को क्लीन बोल्ड कर देंगे। इमरान ने तब जो कहा, उसे अब कर दिखाया है। रविवार को पाकिस्तान की राजनीति में जिस तरह का घटनाक्रम देखने को मिला, उसने पूरी दुनिया को हतप्रभ कर दिया। सुबह तक जो रणनीतिकार इमरान की विदाई की बात कर रहे थे, उनके सारे समीकरण धरे रह गए। गेंद अब सुप्रीम कोर्ट के पाले में है। चीफ जस्टिस ने सुनवाई के लिए बेंच बना दी है। जिस पर रविवार या सोमवार को सुनवाई की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट से फैसला जो आए, मगर अभी तो इमरान ही विपक्ष पर भारी पड़े हैं और सुप्रीम कोर्ट जाने की सूरत में कहा है कि उनके पास कई योजनाएं बाकी हैं। वे हर बार विपक्ष को बोल्ड करेंगे। इससे पहले दोपहर में संसद में डिप्टी स्पीकर ने आर्टिकल 5 का हवाला देकर इमरान सरकार के खिलाफ लाया गया विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव न सिर्फ खारिज कर दिया, बल्कि इसके बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने संसद को भंग करने की सिफारिश कर दी। इसके साथ ही इमरान खान की मांग पर राष्ट्रपति ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। अब पाकिस्तान में 90 दिन के अंदर आम चुनाव होंगे। हालांकि इमरान तब तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद इमरान खान ने देश को संबोधित किया। इस दरौन उन्होंने कहा- हम इंसाफ के लिए अवाम के बीच जाएंगे। हम लोगों से अपील करते हैं वो अगले चुनाव की तैयारी करें। सारी कौम से गद्दारी की कोशिश की जा रही थी। इमरान के इस दांव के बाद समूचा विपक्ष संसद के बाहर धरने पर बैठ गया और ताजा घटनाक्रम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली। इमरान के इस फैसले के बाद विपक्षी पार्टियों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष अध्यक्ष बिलावल भुट्टो का कहना है कि इमरान ने संविधान को तोड़ा है। इससे पहले विपक्षी पार्टियों ने संसद के स्पीकर असद कैसर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। विपक्षी पार्टियों का कहना था कि कैसर निष्पक्ष होकर कार्यवाही नहीं कर रहे। वहीं, राजधानी इस्लामाबाद में कर्फ्यू भी लगा दिया गया था। अगर आर्टिकल-5 पर नजर डालें तो इसमें कहा गया है कि-देश के प्रति वफादारी हर नागरिक का कर्तव्य है। संविधान के कानून को हर नागरिक को मानना होगा। चाहे वह जहां भी रहें या फिर कुछ ही वक्त के लिए पाकिस्तान में रहा हो। पाकिस्तान सरकार के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ बोलते हुए कहा कि आर्टिकल 5 के तहत देश के प्रति वफादारी हर पाकिस्तान के हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा था कि पीएम इमरान खान ने कहा है कि उनकी सरकार को हटाने के लिए विदेशी साजिश है। क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के हीरो रहे इमरान खान राजनीति के आखिरी ओवर में भी अपनी सरकार को बचाने में कामयाब रहे। गठबंधन पार्टी के अलावा इमरान की अपनी पार्टी के ही कुछ सांसदों ने उनका साथ छोड़ दिया था। लेकिन, खान ने हार नहीं मानी। इमरान खान ने 1996 में अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की स्थापना की। 22 साल तक राजनीति में संघर्ष करने के बाद 18 अगस्त 2018 को उन्होंने पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

कब तक रहेगी हालात की मारी प्रकृति बेचारी ?

सच में प्रकृति की अनदेखी वो बड़ी भूल है जो पूरी मानवता के लिए जीवन, मरण का सवाल है। बस वैज्ञानिकों तक ज्वलंत विषय की सीमा सीमित कर कर्तव्यों की इतिश्री मान हमने वो बड़ी भूल या ढिठाई की है जिसका खामियाजा हमारी भावी पीढ़ी भुगतेगी। इसे हम जानते हैं, लेकिन फिर भी हैं कि मानते नहीं। इसे नाइंसाफी कहें या गद्दारी, कुछ भी कह लें लेकिन सच है। यह कभी क्यों नहीं चुनावी एजेण्डा बनता कि राजनीतिक दलों, उनके आकाओं, जनप्रतिनिधियों तथा नुमाइन्दगी का ख्वाब देखने वालों को तेजी से बदल रही प्रकृति और उसके कारणों के बारे में कितना पता है? सच तो यह है कि राजनीति की बिसात में हर कहीं अगर कोई गच्चा खाता है तो वह है वही प्रकृति जिसकी बदौलत ही हम हैं, हमारा अस्तित्व है। ऐसे सवाल जायज हैं, उठने भी चाहिए। पर्यावरण-प्रदूषण की चिन्ता राजनीति में सबसे ऊपर होनी चाहिए। लेकिन सभी राजनैतिक दलों ने बेशर्म खामोशी ओढ़ी हुई है।

लगता नहीं कि पर्यावरण और प्रदूषण भी अहम चुनावी मुद्दा बनते तो अस्तित्व के भविष्य की चिन्ता करने की ईमानदार पहल जरूर कहलाती? चुनावी चकल्लस और नेताओं के लुभावने वादों के बीच न तो कोई धरती की चिन्ता करने वाला है और न कोई भू-गर्भ और आसमान को लेकर गंभीर दिख रहा है। शायद इनका चुनावों से सीधा वास्ता जो नहीं है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इतनी सी भूल या भुलाने की कोशिश जीवन पर धीरे-धीरे भारी पड़ती जा रही है।

हर साल बाढ़ की बढ़ती भयावहता, धरती की बढ़ती तपन, तेजी से कटते जंगल, रेत से चलते छलनी होती नदियाँ, गिट्टियों में तब्दील होते पहाड़, अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हमारी भविष्य की पीढ़ी के लिए बड़ा अभिशाप है। उससे भी दुखद यह कि सबको, सब कुछ पता है लेकिन फिर भी गंभीर कोई दिखता नहीं है। शायद यही कारण है कि देश के किसी भी राजनैतिक दल के अहम मुद्दों में ऐसे विषय शामिल ही नहीं हैं! कब तक नहीं रहेंगे यह भी नहीं पता। प्रदूषित होती नदियां जितनी चिन्ता का विषय हैं उससे बड़ी चिन्ता मानव निर्मित वो कारण हैं जो इसके मूल में हैं। केवल भारत के संदर्भ में बात करें तो भारत में अब ह्यजल क्रान्तिह्न की जरूरत है। पेयजल और सिंचाई के लिए घटते और सूखते जलस्त्रोंतों की चिन्ता करनी होगी। वाकई लोगों को स्वस्फूर्त इस पर सोचना ही होगा। लोग जागरूक हों और कुछ करें तभी सकारात्मक नतीजे निकलेंगे वरना आयोग, बोर्ड, ट्रिब्यूनल बनते हैं, बनते रहेंगे। बहस, सुनवाई, फैसले होंगे, महज औपचारिकताओं की पूर्ति होगी और हर गांव, कस्बे, शहर, महानगर की आबादी की गंदगी का आसान और निःशुल्क वाहक बनीं नदियां दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होंगी, सूखेंगी और मरती रहेंगी।

तीन दशकों से जारी गंगा की सफाई हमेशा चचाओं में रही। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व की तल्ख टिप्पणी जिसमें मौजूदा कार्ययोजनाओं से क्या गंगा 200 साल में भी साफ हो पाएगी, बेहद मायने रखती है। सच में कदम तो वो हों जिससे गंगा अपनी पुरानी भव्यता यानी प्रिस्टीन ग्लोरी हासिल कर सके। यह दशा, कहानी या सच्चाई उस गंगा की है जो मोक्ष दायिनी है जो खुद अपने मोक्ष को तरस रही है। नर्मदा और भी श्रेष्ठ मानी गयी है। पद्म पुराण में लिखा है ह्यपुण्या कनखले गंगा, कुरुक्षेत्रे सरस्वती। ग्रामे वा यदि वारण्ये, पुण्या सर्वत्र नर्मदा ।।' अर्थात गंगां को कनखल तीर्थ में विशेष पुण्यदायी माना जाता है, सरस्वती को कुरुक्षेत्र में, किन्तु नर्मदा चाहे कोई ग्राम हो या फिर जंगल सर्वत्र ही विशेष पुण्य देने वाली है। ऐसी पवित्र नर्मदा अपने उद्गम अमरकण्टक के उद्गम कुण्ड से ही प्रदूषित होने लगती है। भारत के 27 राज्यों में 150 नदियां प्रदूषित हैं लेकिन इसकी चिन्ता किसे? थोड़ा पीछे चलना होगा। 5 साल पहले देश में धान का कटोरा कहा जाने वाला छत्तीसगढ़ उसमें भी खास पहचान लिया बिलासपुर 23 मई 2017 को बेहद तेजी से, एकाएक 50 डिग्री सेल्सियस का तापमान छूकर चचाओं में आ गया था। वायुमण्डल में घुली कार्बन डाई ऑक्साइड, पराबैंगनी विकरण के सोखने और छोड़ने से हवा, धरती और पानी तीनों गर्म होते हैं। पिछली आधी सदी में कोयला-पेट्रोलियम के धुंएं ने वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा खतरनाक हदों तक पहुंचा दिया। सामान्यतः सूर्य की किरणों से आने वाली ऊष्मा का एक हिस्सा वायुमण्डल को जरूरी ऊर्जा देकर, अतिरिक्त विकिरण धरती की सतह से टकराकर वापस अन्तरिक्ष को लौटता है। लेकिन यहां मौजूद ग्रीनहाउस गैसें, लौटने वाली अतिरिक्त ऊष्मा को भी सोख लेती हैं जिससे धरती की सतह का तापमान बढ़ जाता है।

मार्च तो बीत गया लेकिन गर्मी के तेवर मार्च के दूसरे हफ्ते से ही असहनीय से हो गए। अगले तीन महीनों का हाल समझा जा सकता है। वर्षा जल संचय के लिए ठोस प्रबंधन और जनजागरूकता के लिए कुछ ही हफ्तों में बड़ी-बड़ी बातें सुनाईं देंगी। बस आदेश-निर्देश की हर रोज फेहरिस्तें निकलने लगेंगी। लेकिन जब तक कुछ करने या पानी को बचाने पर अमलीजामा पहनाने के लिए दौड़ते कागजी घोड़े थमेंगे तब तक बारिश निकल चुकी होगी। यह हकीकत है। बस इन्हीं दिखावे या औपचारिकताओं ने पेयजल की किल्लत को और बढ़ाया है। नए हिमखण्डों के लिए उचित वातावरण नहीं हैं। जो बचे हैं वो पर्यावरण असंतुलन से पिघल रहे हैं। पृथ्वी पर 150 लाख वर्ग कि.मी. में करीब 9-10 प्रतिशत हिमखंड बचे हैं। ठण्ड के साथ गैस चैम्बर बनते महानगर, झील से सड़कों तक फैलता केमिकल झाग, सूखे तालाब, लापता होते पोखर, समतल होते सूखे कुएँ उसके बावजूद अंधाधुंध प्राकृतिक संसाधनों का दोहन खासकर भारत में बड़ी चिन्ता का विषय है।

कभी सोचा है कि लगातार बीमार हो रही धरती को सेहतमंद बनाने और उसके स्वस्थ जीवन के लिए पहाड़, जंगल, नदी, तालाब, पोखर बचाना, उन्हें जिन्दा रखना जरूरी है या क्रंक्रीट के जंगल, कल-कारखाने, पॉवर प्लाण्ट की चिमनियों और धुंए के गुबार के बीच मानव निर्मित हिरोशिमा-नागासाकी से भी बड़ा सच बनाना जो चुपचाप, बिना आवाज दुनिया के मुंह बाएं खड़ा है। दुनिया के विकसित और विकासशील देशों में इसको लेकर बस चिन्ताएं दिखती हैं लेकिन भारत में पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर कितनी ईमानदार कोशिशें की जा रही हैं यह भी खुली आँखों दिखता है। काश राजनीतिक दलों के लिए जीवनदायिनी प्रकृति भी मुद्दा हो पाती और भारत के माथे को ऊंचा करने का दावा करने वाले तमाम राजनीतिक दल भी इसे समझ पाते! अब वह वक्त आ गया है जब एक कॉमन एजेण्डा होना चाहिए जहाँ राजनीति के बराबर प्रकृति के हालातों पर भी बहस हो और परिणाम दिखें। 21 वीं सदी में यह सोचना बेमानी तो नहीं लगता? बात बात राजनीतिज्ञों के ईमान की है, पता नहीं गंभीर होंगे भी या नहीं। फिलाहाल तो हर रोज हमारी धरती, हमारा आसमान प्रदूषण के नए-नए दंश को झेल रहा है। जिससे आम और खास, इंसान और परिन्दे, जानवर और कीड़े-मकोड़े, फसल और जंगल यानी सभी की साँस की डोर बंधी है, उसी की फिकर हमारे नुमाइन्दों को नहीं है? यब बेहद सोचनीय है। सभी की बेरुखी से डर बस इतना है कि कहीं आसमान का फेफड़ा पूरा न फट पाए और धरती का कलेजा सूख-सूख सिकुड़ न जाए! भला कौन और कब सोचेगा कि जब हम ही नहीं होंगे तब राजनीति कहाँ होगी?

अब ऐसा न हो कि 'बुलडोजर' भी ब्लैक में खरीदना पड़ जाए

हमें याद है सत्तर के दशक में वेस्पा स्कूटर का बड़ा क्रेज था ' बीस साल पहले नंबर लगाओ तब कंही जाकर वेस्पा की डिलीवरी होती थी, मां बाप बच्चे के पैदा होते ही उसके नाम से वेस्पा स्कूटर का नंबर लगा देते थे और जब वो बीस बाईस साल का नौजवान हो जाता था तब उसका नंबर आ जाता था जिसके पास वेस्पा होता था वो बड़ा ही खुशकिस्मत माना जाता था ' कई हजार रुपये ब्लेक में भी देने पड़ते थे ताकि वेस्पा जल्दी मिल जाए , आजकल ऐसा ही हाल बुलडोजर का होने वाला है जिस गति से बीजेपी शासित राज्यों में बुलडोजर की मांग बढ़ी है उसको देखते हुए अब ऐसा लगने लगा है कि बुलडोजर की हालत भी वेस्पा स्कूटर जैसी हो जाएगी ' अभी तक उत्तर प्रदेश में बाबा के बुलडोजर की गूँज थी अब अपने मध्यप्रदेश में मामा का बुलडोजर अपने पूरे शबाब पर है कल तक जो बुलडोजर नगर निगमों के दफ्तरों में उदास, निराश चुपचाप अपना मुंह लटकाये खड़े रहते थे उन पर धूल की परत जम जाती थी वे अब सुबह पांच बजे से सज धजकर अपनी सूंड उठाये छाती चौडी कर अपराधियों, भूमाफियाओं के आशियानों को ढहाने में लग जाते हैं । कभी वो दिन भी थे कि ये बुलडोजर बेकार पड़े हुए थे लेकिन आज इन बुलडोजरों की ऐसी मांग बढ़ गयी है कि पूछिए मत ' पूरे उत्तर प्रदेश में बुलडोजर ने वो कमाल दिखाया कि बाबा जी की सरकार फिर से उत्तर प्रदेश में काबिज हो गयी, जब से बाबा जी की सरकार उत्तर प्रदेश में वापस आई है तब से अपने प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह ने भी समझ लिया है की यदि चुनाव जीतना है तो बुलडोजर की मदद के बिना ये संभव नहीं हो पायेगा सो उन्होंने भी पूरे प्रदेश के अफसरों को सन्देश दे दिया है कि बेकार धूल खा रहे बुलडोजरों को निकालो उनको स्नो पाउडर लगाओ और छोड़ दो माफियाओं के आशियानों की तरफ, यानी अब चुनाव न तो भाषणों से जीता जा सकता है न पोस्टर बैनर से, चुनाव जीतना है तो सिर्फ और सिर्फ एक ही रास्ता है और वो है बुलडोजर की हेल्प ' जिस गति से सरकारों में बुलडोजरों की मांग बढ़ रही है उसको देखते हुए अब ये लगने लगा है कि तमाम सरकारों को बुलडोजर ब्लेक में भी खरीदने पड़ सकते है क्योकि बुलडोजर कोई छोटी मोटी चीज तो है नहीं उसको बनाने में भी टाइम लगता है और जंहा जंहा चुनाव होने वाले है उसकी सरकार इतना इंतजार नहीं कर सकती जिस प्राइज में मिले उसे बुलडोजर खरीदना ही है ' अपनी तो उद्योग पतियों को सलाह है कि जो लोग भी कार और स्कूटर के निमार्ता है इन सब को गोली मारो और बुलडोजर का निर्माण कार्य शुरू कर दो देखते ही देखते करोड़ पति और अरब पति न बन जाए तो अपना नाम बदल देना '

तो फिर गर्मी भी क्यों पीछे रहे

खबर आई है कि इस बार मार्च में गर्मी ने पिछले एक सौ इक्कीस साल का रिकार्ड तोड़ कर एक नया रिकार्ड बना दिया है, लोग बाग गर्मी को कोस रहे हैं कि ऐसी क्या दुश्मनी है लोगों से उसकी कि नए रिकार्ड बनाने पर तुल गयी है तो भैया जब पूरे देश में हर चीज अपने नये रिकार्ड बना रही है तो गर्मी भला क्यों पीछे रहगी ' "पेट्रोल, डीजल "कीमत के नए रिकार्ड बना रहे हैं घरेलू गैस के दामों ने भी रिकार्ड बना दिया है, कमर्शियल सिलेंडर के तो रिकार्ड की गिनती ही करना भूल गए हैं उसका उपयोग करने वाले ' खाने का तेल भी अपने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ने पर आमादा है, दूध के दाम भी नया रिकार्ड बना रहे है मंहगाई डायन की तो बात ही मत करो उसने तो अब तक के तमाम रिकाड्र्स को पीछे छोड़ दिया है "लोहा" जो पचपन रुपए किलो था वो देखते ही देखते बायसी रुपया पंहुच गया, सीमेंट ने सोचा कि हमारा और लोहे का तो चोली दामन का साथ है तो उसने भी नया रिकार्ड बना दिया' इधर बीजपी ने चार राज्यों में चुनाव जीतने का रिकार्ड बना दिया है तो कांग्रेस चुनाव हारने का रिकार्ड बना रही है, आम आदमी पार्टी ने पंजाब में जीत का एक नया रिकार्ड कायम का दिया है।

वाराणसी में हिन्दू जनजागृति समिति आयोजित प्रांतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन संपन्न !

हिन्दू राष्ट्र का संकल्प लेकर 20 हिन्दू संगठन हुए एकजुट !

प्रखर वाराणसी। वर्ष 1976 में भारत पर लादी गई धर्मनिरपेक्षता दूर हटाकर पुनः एक बार हिन्दूबहुल भारत में वर्ष 2025 में धर्माधिष्ठित हिन्दू राष्ट्र की स्थापना हो ऐसा संकल्प लेकर 3 अप्रैल को वाराणसी के आशापुर में स्थित अर्चना गार्डेन में प्रांतीय हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन संपन्न हुआ ! इस अधिवेशन में बिहार, उत्तरप्रदेश तथा मध्यप्रदेश के लगभग 20 हिन्दू संगठनों के 100 हिन्दुत्वनिष्ठ सम्मिलित हुए ।

शंखनाद, दीप प्रज्वलन तथा और वेदमंत्र से अधिवेशन का आरंभ हुआ । इसके उपरांत अखिल भारतीय धर्मसंघ शिक्षा मंडल के महामंत्री श्री. जगजीतन पांडेय जी ने उपस्थितों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में छद्म धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हिन्दुओं का दमन किया जा रहा है । हिंदुओं को अपने धर्म की शिक्षा का अधिकार नहीं दिया गया है । अतः भावी पीढ़ी धर्म संस्कारों से वंचित है अतः अपने धर्म पर अभिमान नहीं कर पा रही है । वामपंथियों के कारण हमारी भावी पीढ़ी मुगलों को ही अपना आदर्श मानती है । इस लिए हिंदू राष्ट्र के लिए सभी ने प्रयत्नशील रहना है । भारत सेवाश्रम संघ के वाराणसी के स्वामी ब्रह्ममयानंदजी ने कहा कि हिन्दू राष्ट्र के लिए ब्रह्मतेज और क्षात्रतेज का ज्ञान होना आवश्यक है । हमें प्रतिवाद एवं प्रतिसाद की नीति अपनानी होगी। हिन्दू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक संत पूजनीय निलेश सिंगबाळ जी ने उपस्थितों का आवाहन करते हुए कहा कि हिन्दू राष्ट्र की स्थापना केवल मत नहीं व्रत होना चाहिए । राष्ट्र अथवा धर्म पर संकट के समय धर्म के पक्ष में रहना, हम सभी का सामूहिक दायित्व है । 2023 के उपरांत सत्त्वगुणी हिन्दुओं की ओर से भारत में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना होगी । इसलिए सभी संगठनों ने एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है ।

इस अवसर पर सनातन संस्था द्वारा प्रकाशित ग्रंथ Importance of Personality defect removal and inculcating Virtues के ई-बुक का भी लोकार्पण किया गया ।

अधिवेशन में हुई गुटचर्चा के माध्यम में आनेवाले समय में ग्राम एवं जिला स्तर पर हिन्दू राष्ट्र जागृति सभा, हिन्दू जागृति बैठकों का अधिकाधिक आयोजन करना तथा सभी के लिए धर्मशिक्षा वर्गों का आयोजन करना ऐसे निश्चित हुआ । बिहार में मंदिरों पर लगाए गए कर वसूली के विरोध में जनहित याचिका करना, संविधान से सेक्युलर शब्द को हटाने के लिए प्रत्येक कचहरी परिसर में हस्ताक्षर अभियान करना, धर्मनिष्ठ अधिवक्ताओं के संगठन के लिए तालुका स्तरीय अधिवक्ता अधिवेशन का आयोजन करना ऐसे अधिवक्ताओं ने तय किया । अधिवेशन स्थल पर लगायी गयी जिहादियों द्वारा कश्मीरी हिन्दुओं के वंशविच्छेद तथा उनपर हुए अत्याचारों के संदर्भ में फ्लेक्स प्रदर्शनी को देखकर अनेक हिन्दुत्वनिष्ठों ने उनके क्षेत्र में ऐसी प्रदर्शनी के आयोजन करने का निश्चय किया ।

हुक्का लाउंज पब संस्कृति, भटकती किशोर पीढ़ी!

वर्तमान में युवाओं में नशा करने की आदत तेजी से बढ़ रही है। अनेक प्रकार के नशे के साधन आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं।बच्चे किशोर अवस्था में एवं युवा होते ही सदमार्ग पर न चलकर भटक रहे हैं। इस भटकाव के लिये वर्तमान परिवेश तो दोषी है ही साथ ही माता-पिता पालकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों की हर गतिविधि पर पैनी नजर रखें। यह देखें कि हमारे बच्चे कहाँ जा रहे हैं उनके मित्र कौंन है तथा देर रात तक कहाँ रहते हैं,क्या वे नशा कर रहे हैं।

वर्तमान में हुक्का से कश खींचकर नशा करने की प्राचीन पद्धति को आधुनिक रूप देकर हुक्का लाउंज एंड पब नाम दिया गया है। दिल्ली, मुबंई, कोलकाता, चेन्नई आदि बड़े महानगरों के माँलों में हुक्का पब संचालित हैं। एक घटना जो आज से लगभग दस वर्ष पूर्व की है उसका उल्लेख करना प्रासंगिक है दिल्ली के समीप गुरु ग्राम पूर्व नाम गुड़गांव में डीएलएफ सिटी सेंटर माँल में बबज इन पब एंड लाउंज में 100 लड़के लड़कियां शराब के नशे में पकड़े गये,पकड़े गये लड़के लड़कियों में सभी 14 से 20 वर्ष के बीच के थे और अच्छे स्कूलों में पढ़ते थे।"सेक्स और स्मोक" पार्टी का टाइटल था। एक लड़के के जन्मदिन पर दी जा रही इस पार्टी का निमंत्रण सोशल नेटबर्किग साइड पर दिया गया था। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस पार्टी में जिन बच्चों ने भाग लिया था, उन्हे यह पता नही था, जन्मदिन किसका है। भारतवर्ष में अनेक प्रदेशों में विशेष रूप से हरियाणा, पंजाब, राजस्थान एवं राजस्थान से लगे हुए मध्यप्रदेश के कुछ क्षेत्र आदि में आज भी हुक्का से नशा करने का प्रचलन है। गाँव में चार या पाँच बुजुर्ग एक साथ बैठकर हुक्का से नशा करते है। हुक्का में तम्बाकू डालकर धुआं के कश लिये जाते है। कुछ वर्ष पहले तक देश में पब और लाउंज का नाम नहीं था। अचानक इनका जाल फैलता जा रहा है। पब होटलों और माँलों में चल रहे हैं युवाओं के साथ किशोर इनकी ओर जोर-शोर से आकर्षित हो रहे हैं।

किशोरावस्था में बच्चों को पार्टी करना, घूमना पसंद होता है इस उम्र में वे हर वह काम करना चाहते हैं जो उन्होंने आज तक नहीं किया है। पब अथवा हुक्का लाउंज में किशोरों को निकोटिन भर कर परोसा जाता है, जिसे आज किशोर बड़े शौक से लेते है। सरकार ने हुक्का बार पर सन 2011 में क्रिमिनल प्रोसीजर कोड के सेक्सन 144 के तहत इसलिए रोक लगायी थी क्योंकि हुक्का बार बाले निकोटिन मिले तम्बाकू को ग्राहकों को दे रहे थे। परन्तु बार मालिकों ने कानून की धज्जियां उड़ा दी,और नये-नये नामों से हुक्का से नशा कराया जा रहा है। हुक्का का होटलों में कानून से बचाव के लिये परशियनसीसा,वोडका फ्लेवर अथवा हर्बल हुक्का के नाम से नशा कराया जा रहा है।। मेरे मित्र ने एक घटना सुनाई वे दिल्ली में एक माँल में शाँपिंग के लिये गये थे माँल में पब के बाहर एक महिला लम्बे समय से हंगामा कर रही थी वह चिल्ला-चिल्लाकर कह रही थी कि मेरा 14 वर्षीय बेटा पब के अंदर नशा कर रहा है। मुझे उसे लेने अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। यह देख रहे कुछ लोग बच्चे को दिये संस्कारों पर प्रश्न चिन्ह लगा रहे थे, कुछ पब के मैंनेजर के व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं मनमानी का विरोध कर रहे थे। पब के मैंनेजर का कहना था कि इस उम्र में लड़के पब में आते ही हैं। कुछ देर में लड़का बाहर आया और महिला अपने बेटे को लेकर चली गई। विचारणीय प्रश्न यह है कि ऐसा क्या आकर्षण है किशोर पीढ़ी में जो अपने परिजनों से झूठ बोलकर पब में जाने मजबूर हो रहे हैं। अचानक आयी पब संस्कृति की ओर किशोर भागे जा रहे है और कानून कागजों की शोभा बढ़ा रहा है। पब संचालकों व कानून के रक्षकों की मिलीभगत से ही यह विकृति नई पीढ़ी में जोर से बढ़ रही है। गत चार वर्ष पूर्व हम सामाजिक मीटिंग में भाग लेने दिल्ली रेल से पहुंचे। रेल से रविवार को प्रातः 6 बजे हजरत निजामुद्दीन रेल स्टेशन पर उतरे। स्टेशन से बाहर निकल कर टेक्सी से गंतव्य की ओर प्रस्थान किया तो हम देखते हैं युवा युवक युवतियों की भारी भीड आ रही है। मैंने अपने अभिन्न मित्र से जिज्ञासा से पूछा यह भीड़ कहाँ से आ रही है? उन्होंने कहा ये लड़के लड़की वे है जो उच्च अध्ययन हेतु दिल्ली आये है। ये शनिवार को रात में होटल पहुंचते हैं, होटल में सारी रात वाय फ्रेंड और गर्ल फ्रेंड के जोड़े तरह तरह के नशे,सेक्स और मौज मस्ती करते हैं। ये सब सुबह होटल से निकल कर घर जा रहे हैं। मित्र ने कहा माता-पिता यह समझ रहे है हमारा बेटा या बेटी पढ़ाई कर रहे हैं। पढ़कर बड़े इंजीनियर या अधिकारी बनेंगे, जबकि बच्चे माँ बाप को धोखा दे रहे हैं। पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव से संयुक्त परिवार समाप्त होने के साथ एकल परिवार की परंपरा चल रही है। संयुक्त परिवार में चाचा-चाचाजी, बड़े भाई-भाभी,बहन परिवार के छोटे किशोरों को साथ रखकर संस्कार देते थे, परिवार के रीति रिवाज सिखाते थे, उनके क्रियाकलापों पर नजर रखते थे। एकल परिवार में माता-पिता दोनों नौकरी में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में किशोर अकेलेपन में दोस्तों की तलाश करते हैं, दोस्तों के साथ अकेलापन दूर करने पब और होटलों के माध्यम से नशा करने की बुरी आदतों में पड़ रहे हैं। सम्पन्न परिवार के बच्चे पब में जाना फेंसन और स्टेट्स की बात मानते हैं। पब एवं हुक्का लाउंज के माध्यम से 14 से 18 वर्ष के बच्चे जो स्कूल कालेज में पढ़ते हैं, उनमें नशे की बढ़ती प्रवृत्ति रोकना माता-पिता के साथ साथ शिक्षकों, प्राचार्यों की जिम्मेदारी है। किशोरावस्था में नशे की लत किशोरों का जीवन बर्वाद कर रही है।

मानव को साहित्य देता है प्राण शक्ति

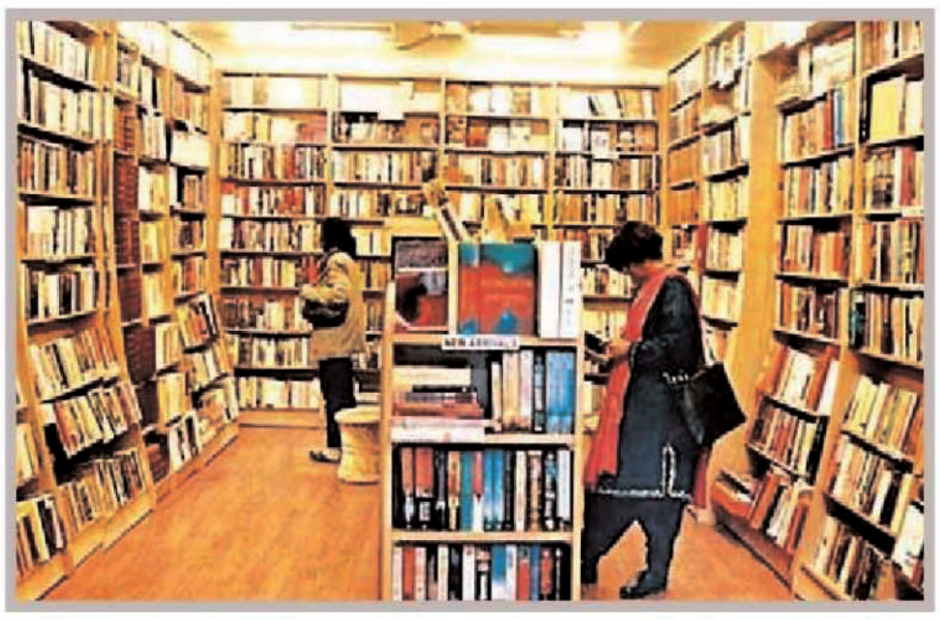

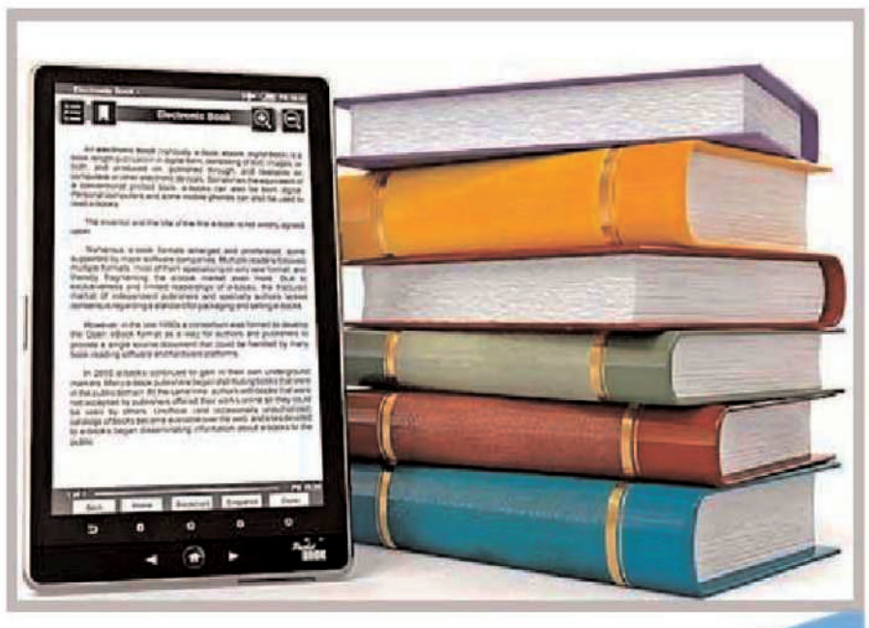

ललित गर्ग

अच्छा साहित्य हमें अमृत की तरह प्राण शक्ति देता है, कोरोना महामारी एवं महासंकट के लॉकडाउन में यह अहसास इन्हीं पुस्तकों से मिला है। पुस्तकों के पढ़ने से जो आनन्द मिला है, वह कोरोना पीड़ा को कम करने का सशक्त माध्यम बना है, कोरोना कहर से ध्वस्त हुए युग के नवनिर्माण का सूत्रपात इसी पुस्तक-संस्कृति से संभव है। भारत में पुस्तक का महत्व, राष्ट्र-समाज निर्माण में उसकी भूमिका अति-प्राचीन है, वेद, शास्त्र, रामायण, भागवत, गीता आदि ग्रन्थ हमारे जीवन की अमूल्य निधि हैं। पुस्तकें जीवन संजीवनी है, जिनका महत्व सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक है, वे हमारी ऐसी मित्र हैं जो हमारी जीवन-निर्मात्री भी हैं।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें जिनके पास होती हैं, उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है, वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं, पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं। उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदानप्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में गत दिनों किया था। हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। उनकी पुस्तक प्रेरणा देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाली साबित होगी, इससे नया भारत निर्मित होगा एवं पुस्तक पढ़ने की कम होती रुचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें है। एक व्यस्ततम राष्ट्रनायक की जुबान से पुस्तक की उपयोगिता का बखान निश्चित ही पुस्तक-संस्कृति को एक नये युग में ले जायेगा। मोदी ने न केवल प्रेमचंद को जीवंत कर दिया है बल्कि जन-जन को उनकी कहानियां पढ़ने को प्रेरित कर दिया है क्योंकि ये केवल कहानियां नहीं है, एक जीवंत समाज का आइना है। प्रेमचंद ने अपनी इन कहानियों में समाज का जो यथार्थ चित्रण किया है, पढ़ते समय उसकी छवि आपके मन में बनने लगती है। उनकी लिखी एक-एक बात जीवंत हो उठती है। ऐसे सत्साहित्य से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है।

पुस्तक संस्कृति की उपयोगिता को उजागर करते हुए लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढ़ूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है जो उसका पारायण करता है। नये-नये प्रयोग करने वाले मोदीजी अगर देश के राजनेताओं में इस तरह के संस्कार एवं रुचि जगा सकें तो राजनीति से नवीन संभावनाओं के द्वार उद्घाटित हो सकते हैं। निर्माण का हर क्षण इतिहास बन सकता है।

किताबें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। किताबें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में किताबों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये किताबें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूं जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा भी देती हैं। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं, उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम किताबें ही करवाती हैं। शायद ये किताबें ही हैं जिन्हें पढ़कर मोदी आज दुनिया की एक महाशक्ति बन गये हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही हैं, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी हैं क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य हैं और जन-जन के लिये उपयोगी हैं, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी हैं। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती हैं। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है ? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें, लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है।

पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकों के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ है जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रौशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है। इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध है। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है।' इसलिये साहित्य ही वह मजबूत माध्यम है जो हमारी राष्ट्रीय चेतना को जीवंतता प्रदान कर एवं भारतीय संस्कृति की सुरक्षा करके उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी संक्रांत कर सकता है। सत्साहित्य ही भारतीय संस्कृति के गौरव को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, इसी से जीवन सरस एवं रम्य हो सकता है। पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। तय है कि इससे ही कोरोना कहर की विध्वंस-लीला पर विराम लगाकर जीवन-निर्माण के नये दौर की उजली दिशाएं प्रस्फुटित हो सकेंगी।

पुस्तक प्रेम पर सोशल मीडिया का ग्रहण

देवेन्द्रराज सुथार

किताबें झांकती हैं बंद आलमारी के शीशों से, बड़ी हसरत से तकती हैं, महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं, जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं, अब अक्सर गुजर जाती है कंप्यूटर के पर्दों पर....।

गुलजार साहब की ये कविता किताबों के उस दौर की याद दिलाती है जब किताबें जीवन का अभिन्न अंग हुआ करती थीं। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के द्वारा पढ़ने, प्रकाशन और कॉपीराइट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस आयोजित किया जाता है। ज्ञातव्य है कि 23 अप्रैल 1564 को शेक्सपीयर का निधन हुआ था।

शेक्सपीयर एक ऐसे लेखक थे जिनकी कृतियों का अनुवाद विश्व की समस्त भाषाओं में हुआ है। इन्होंने अपने जीवन काल में करीब 35 नाटक और 200 से अधिक कविताएं लिखीं। साहित्य जगत में शेक्सपीयर को जो स्थान प्राप्त है, उसी को देखते हुए यूनेस्को ने 1995 और भारत सरकार ने 2001 में 23 अप्रैल के दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

बदलते युग में तकनीक की घुसपैठ के कारण किताबों के पठन-पाठन में भारी गिरावट देखने को मिली है। अधिकतर युवा अब फेसबुक, वाट्सएप तथा इंटरनेट पर अपना समय गुजारना पसंद करते हैं। किताबें अब केवल ड्राइंग रूम में सजावट का सामान बनकर रह गई हैं। किताबों के प्रति तेज गति से हो रहा मोहभंग चिंताजनक है।

गौरतलब है कि 24 राज्यों के 26 जिलों में 'असर' (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) द्वारा किए गए सर्वे में आश्चर्यजनक नतीजे बताते हैं कि इन राज्यों के साठ-साठ गांवों में किए गए सर्वे में यह बात निकलकर आई कि वहां 94 फीसदी लोगों के पास मोबाइल और करीब 74 के पास टेलीविजन हैं। लेकिन किताबों और मैगजीन के मामले में यह आंकड़ा बेहद निराशाजनक है। केवल 10 फीसदी लोगों के घरों में ही किताबें और मैगजीन मिली हैं।

दुनियाभर की 285 यूनिवर्सिटी में ब्रिटेन और इटली की यूनिवर्सिटी ने संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है कि जो छात्र डिजिटल तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हैं, वे पढ़ाई के साथ पूरी तरह नहीं जुड़ पाते और फिसड्डी साबित होते हैं। ज्यादा इंटरनेट के इस्तेमाल से उन्हें अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता और उनमें अकेलेपन की भावना घर कर जाती है। अध्ययन में 25 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि उन्होंने दिनभर में 4 घंटे ऑनलाइन बिताए जबकि 70 प्रतिशत ने एक से तीन घंटे तक इंटरनेट का इस्तेमाल किया। इनमें 40 प्रतिशत छात्रों ने सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल किया जबकि 30 प्रतिशत ने सूचना के लिए इसका इस्तेमाल किया।

इंटरनेट की लत से कई तरह की क्षमता प्रभावित होती है। जैसे, उत्तेजना नियंत्रण, भविष्य की योजना और शैक्षिक वातावरण में बेहतर तालमेल नहीं बना पाना आदि। इसलिए इंटरनेट की लत से प्रभावित छात्रों को पढ़ाई में ज्यादा मुश्किल नजर आई जबकि ऐसे छात्र जो इंटरनेट से दूर रहे, वे पढ़ाई में ज्यादा सफल रहे।

निःसंदेह किताबों को लेकर यह हताशा का माहौल हमारे पिछड़ जाने का संकेत है। किताबों से दिनोंदिन बढ़ती दूरी हमें नैतिक पतन, भौतिकवाद एवं आत्ममुग्ध आधुनिकता से ग्रस्त कर रही है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक जैसे तमाम क्षेत्रों का ज्ञान हमें किताबों से ही मिलता है। किताबें अमर हैं और जो हमारे व्यक्तित्व का निर्माण कर हमें जीवन जीने की कला सिखाती हैं।

यही नहीं, किताबें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ज्ञान हस्तांतरित करने का सशक्त माध्यम भी हैं। किताबों से बुद्धि का विकास का होता है तथा हम महान लोगों से चिर-परिचित होकर उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। दरअसल, किताबें सोच बनाने व बदलने का माद्दा रखती हैं। किताबें हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों काल की जानकारी देती हैं। किताबें मनुष्य की सच्ची मित्र हैं जो प्रत्येक परिस्थिति में बखूबी साथ निभाती हैं।

एक अच्छी किताब हमें सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। अतः आवश्यक है कि हम किताबों के पठन-पाठन की परंपरा को बरकरार रखें। मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर पर समय व्यतीत करने के बजाय उसका उपयोग किताबों से ज्ञान अर्जित करने में करें। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि आज के दौर में किताबों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है। अब किताबें रियायती दरों पर मिलनी मुश्किल है। बढ़ती महंगाई से किताबों का सुनहरा संसार भी अछूता नहीं है। आम आदमी के बजट से बाहर होती किताबों के मूल्य में उछाल किताबों के प्रति उदासीनता की वजह है। सच्चाई है कि बाजारवाद के कारण किताबों में अश्लीलता ने पांव पसारे हैं। यह साहित्य सामग्री युवाओं को लक्ष्य से विचलित कर रही है। इस तरह की साहित्य सामग्री पर रोक लगनी चाहिए तथा इनका प्रकाशन बंद होना चाहिए। किताबों के चयन और लेखन दोनों पर विचार-विमर्श आज समय की मांग है।

इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

हर युवा के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्त्रोत हैं स्वामी विवेकानंद

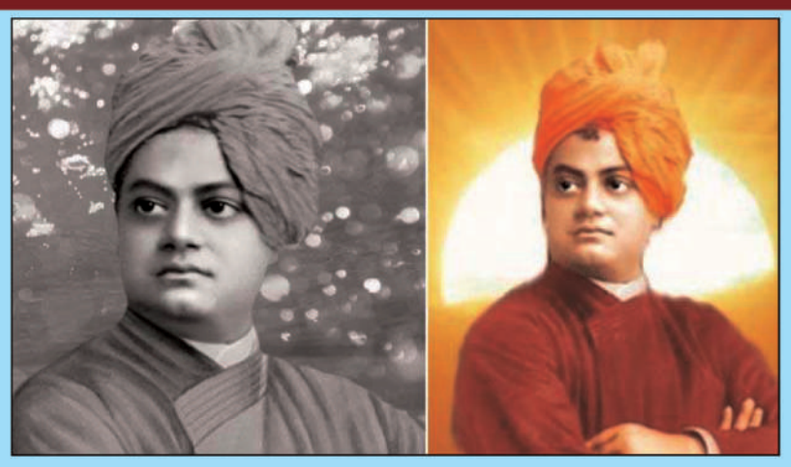

स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता।

हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है।

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद ने भविष्यवाणी की कि भारत अगले 50 वर्षों में स्वाधीन हो जाएगा और यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत का विश्व गुरु बनना केवल भारत ही नहीं, अपितु विश्व के हित में है। विवेकानंद ने कहा था कि समाज का नेतृत्व चाहे विद्या बल से प्राप्त हुआ हो चाहे बाहुबल से, पर शक्ति का आधार जनता ही होती है। उनका मानना था कि प्रजा से शासक वर्ग जितना ही अलग रहेगा, वह उतना ही दुर्बल होगी। हमें नहीं भूलना चाहिए कि यथार्थ भारत झोपड़ी में बसता है, गांव में बसता है। इसलिए भारत की उन्नति भी झोपड़ी और गांव में रहने वाले आम जनता की प्रगति पर निर्भर है। हमारा पहला कर्तव्य दीनहीन, निर्धन, निरक्षर, किसानों तथा श्रमिकों के चिंतन का है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्ज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्रीरामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों ने संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी का एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत। जागृत। प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए।शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है। स्वामीजी का स्वप्न था कि उन्हें 1000 तेजस्वी युवा मिल जाएं तो वह भारत को विश्व शिखर पर पहुंचा सकते हैं।

सर्दी में नंगे होने का जोश और होश (व्यंग्य)

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है।

रिकॉर्ड जमाऊ शानदार सर्दी में एक अधनंगे से मुलाकात हो गई। अच्छी सूझबूझ के साथ अगर आंकड़े जारी करने हों तो उसे लगभग नंगा या नंगा भी गिन सकते हैं। नंगा बंदा देखकर काफी कपड़े पहने हुए व्यक्ति को भी सर्दी ज्यादा लगने लगती है। मुझे सर्दी ज्यादा लगने लगी मगर लड़खड़ाते लबों से बात हो गई, आप इतनी सर्दी में नंगे घूम रहे हो, आपको देखकर मुझे लगने वाली ठंड बढती जा रही है, बीमार हो जाओगे। उसने मानो बिना मास्क लगाए जवाब दिया, मेरा व्यवसाय ही नंगई है जिसे मैं ईमानदारी, कर्मठता व पूरी पारदर्शिता से करता हूं इसीलिए कुछ नहीं होगा। आपने पांव से सिर तक काफी कुछ ढका हुआ है, हाथों में भी दस्ताने पहन रखे हैं, आप क्या जानो नंगा होना कितना जोशीला होना है।

उसके कहने के अंदाज से मुझे लगने लगा कि कहीं न कहीं से मैं भी नंगा लग रहा हूं। मैंने फिर कहा, आप इतनी ज्यादा सर्दी में ऐसे हिस्सों में नंगे हैं जहां से होना नहीं चाहिए। आप समझे नहीं, यह मेरे व्यवसाय का मूल हिस्सा है, इसके कारण ही मेरी आमदनी होती है। यदि शरीर के ये हिस्से न दिखाऊं तो अपनी दुकान बंद हो जाए। विषय बदलते हुए मैंने पूछा आपकी सामाजिक हैसियत क्या है। वह बोला आ गए न असली सवाल पर, आजकल बेशर्मी ही सोशल स्टेटस है वही मेरा भी है।

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है। आप कहो तो मैं पूरा नंगा भी हो सकता हूं। मुझे अब और ठंड लगने लगी थी, क्या आप सचमुच और नंगे हो सकते हो? उसने कहा, हां अभी तक तो मेरा शरीर ही नंगा है, आप चाहें तो नंगेपन की प्रतिशतता बढ़ा सकता हूं इतनी कि आपको शर्म आने लगेगी। उसकी बात ठीक थी, नंगे होने वालों की शर्म खत्म हो जाती है और देखने वालों की बढती जाती है।

वह बोला, आप भूल गए कि हम सब पैदा नंगे ही हुए थे। उसने मुझ पर व्यंग्य किया, इतने सारे कपड़े पहनकर आप भी कहीं न कहीं से नंगे माने जा सकते हो, दिमाग, बुद्धि या व्यवहार से नंगे कहे जा सकते हो। जो अपने आप को नंगा नहीं मानते, शानदार महंगे रंगीन और नमकीन कपड़े पहनते हैं वास्तव में वे भी नंगे हो सकते हैं। उसने मानो मास्क लगाकर घोषणा की कि वह और नंगे भी इक्कठे कर सकता है। मैंने पूछा क्या आप कलाकार हो तो वह बोला, हो सकता है, लेकिन पहले जैसा कलाकार नहीं हूं जो सामाजिक, व्यक्तिगत, पारिवारिक धारणाओं व अनुशासन का ख्याल रखते थे, मुझे तो प्रसिद्धि और पैसा चाहिए, सबका ध्यान चाहिए। मुझे नंगा होने, पूरा नंगा होने में कोई शर्म नहीं। बिल्कुल सही कहा, जो एक बार नंगा हो जाता है दूसरी बार उसे शर्म नहीं आती और किसी भी तरह की ठंड पास फटकने से शमार्ती है।

ओस्टियोआर्थराइटिस : युवावस्था से ही रहें सतर्क

जोड़ों से आए आवाज, न करें नजरअंदाज

कानपुर।

ओस्टियोआर्थराइटिस जॉइंट्स की क्षयकारी बीमारी है। आधुनिक विलासिता पूर्ण जीवनशैली और अप्राकृतिक आहार इस बीमारी के मुख्य कारक हैं। यह बात श्रीनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय भगवत दास घाट सिविल लाइंस कानपुर के मुख्य चिकित्सक और सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. रविंद्र पोरवाल ने बताई।

डॉ. रविंद्र पोरवाल ने बताया कि ओस्टियोआर्थराइटिस जोड़ों का दर्द, अकड़न और सूजन देने वाली बीमारी है, जो पीड़ित को चलने-फिरने से लाचार कर देती है, क्योंकि इस बीमारी में जोड़ों के बीच में स्थित मुलायम हड्डी कार्टिलेज को नुकसान पहुंचता है। साथ ही साथ जॉइंट्स के बीच में जो तैलीय पदार्थ सायनोवियल फ्लुएड होता है, उसका निर्माण भी कम हो जाता है। फलस्वरूप जोड़ों में उठते-बैठते या चलते

समय चट-चट की आवाज आने लगती है। भरी जवानी में ही कार्टिलेज और तैलीय पदार्थ सायनोवियल फ्लुएड का नुकसान शुरू हो जाता है और हड्डियों से जोड़ों से कट कट की आवाज शुरू हो जाती है। युवावस्था में यह ज्यादा तकलीफ नहीं देती है और युवा वर्ग इस तकलीफ के प्रति सतर्क नहीं होता है। कोई कष्ट न होने के कारण इसकी अनदेखी कई-कई वर्षों तक करते रहते हैं। ध्यान न देने पर उम्र बढ़ने के साथ-साथ यह दुखदाई बीमारी भी धीरे-धीरे बढ़ती जाती है। जब तक जवानी रहती है, शरीर में ताकत रहती है, बल और सामर्थ्य के साथ-साथ मांसपेशियां मजबूत होती हैं। बीमारी के शुरुआती लक्षण होने के बावजूद चलने-फिरने में कोई तकलीफ नहीं आती, किंतु वृद्धावस्था में जब मांसपेशिया शिथिल और कमजोर हो जाती हैं, मांसपेशियों में जबरदस्त अकड़न आने लगती है व शरीर की ताकत कम हो जाती है, तब जीवन के इस मोड़ पर ओस्टियोआर्थराइटिस अपनी पीड़ा और लाचारी देने वाला तांडव शुरू करती है और जोड़ों में सूजन और भीषण दर्द का कारण बन जाती है। रोगी के जीवन की एक-एक सांस कष्टमय हो जाती है।

डॉ. रविंद्र पोरवाल
आयुष मंत्रालय के बोर्ड सदस्य व विशेषज्ञ नेचुरोपैथ

युवावस्था में अनियमित दिनचर्या और जंक फूड, फास्ट फूड, तले मसालेदार भोजन का खूब सेवन करना युवाओं का शौक होता है। साथ ही साथ आजकल के समय छोटे-छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बड़े विद्यार्थी तक पढ़ाई के बोझ से दबे रहते हैं। पढ़ाई का तनाव, शारीरिक मेहनत बिल्कुल ना करना और पूरे दिन विलासिता पूर्ण जीवन जीना इस बीमारी के मुख्य कारण हैं। अगर हमें अपने शरीर में इस बीमारी के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते हैं तो हमें जीवन में अपनी गलतियों और भूलों को सुधारना चाहिए और एक आनंदपूर्ण निरोगी जीवन का मार्ग अपनाना चाहिए। दिनचर्या में बदलाव करने पर प्रारंभिक की स्थिति में थोड़ा बहुत शारीरिक और मानसिक कष्ट उठाना पड़ सकता है किंतु यही आलस्य आपके निरोगी जीवन में दुख और तकलीफ लाकर कष्ट पैदा करने का कार्य करेगा। जवानी में जब जोड़ों से आवाजें आना, कट-कट की आवाज जोड़ों में सुनाई देने लगे तो हमें उसी समय इस बीमारी के मूल कारण को समझकर इसका पूर्ण निदान करने का प्रयास करना चाहिए। अपने भोजन में बदलाव करके आधा घंटा प्रतिदिन योगाभ्यास करके और बाजारू चीजों के स्थान पर हरी सब्जियां, फल और जूस का भरपूर मात्रा में सेवन करके कम उम्र में ही जोड़ों पर बुरा प्रभाव डाल रही इस बीमारी को खदेड़ कर बाहर कर सकते हैं। कम उम्र में ओस्टियोआर्थराइटिस को बढ़ने से पूरी तरह रोका जा सकता है। भरपूर श्रम करना और संतुलित पौष्टिक आहार का सेवन तथा जंक फूड-फास्ट फूड, तले मसालेदार भोजन से बचाव ही इस बीमारी से मुक्ति का सर्वश्रेष्ठ उपाय है। मांसपेशियों की अकड़न को कम करके उन्हें लचीला और मजबूत बनाने के लिए प्रतिदिन आधा घंटा योगाभ्यास जरूर करना चाहिए। अगर प्रातःकाल उगते हुए सूर्य की छत्रछाया में योगाभ्यास करते हैं तो ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी से भी बचाव आसानी से संभव हो सकता है। वहीं, ओस्टियोआर्थराइटिस से जूझ रहा शरीर पूर्ण निरोगी हो जाता है।

एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'बीस्ट' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार थलापति विजय की आने वाली एक्शन-थ्रिलर फिल्म बीस्ट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 'बीस्ट'के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब के अलावा सोशल मीडिया पर भी फैंस के साथ शेयर किया है। ट्रेलर में विजय दमदार एक्शन सीन्स करते नजर आ रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजय के अलावा पूजा हेगड़े, सेल्वाराघवन शाइन टॉम चाको, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले और जॉन विजय सहायक भी लीड रोल में हैं। गौरतलब है कि बीस्ट, विजय की पहली पैन इंडिया रिलीज फिल्म है। जिसे मेकर्स तमिल के अलावा तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलायलम भाषाओं में भी ला रहे हैं।

कैंसर से लड़ने में मदद कर सकता है नीम कंपोनेंट : बीएचयू

वाराणसी (आईएएनएस)।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की एक शोध टीम ने पाया है कि नीम के पेड़ का कंपोनेंट कैंसर से लड़ने में मदद कर सकता है। शोध दल ने टी-सेल लिंफोमा के खिलाफ निबोलाइड (नीम के पेड़ का एक बायोएक्टिव घटक) की इन-विट्रो और इन-विवो चिकित्सीय प्रभावकारिता की सूचना दी है। इसने हेमटोलॉजिकल विकृतियों के उपचार के लिए एक संभावित कैंसर विरोधी चिकित्सीय दवा के रूप में निबोलाइड की उपयोगिता की पुरजोर वकालत की है। बीएचयू के प्रवक्ता राजेश सिंह के मुताबिक, इस अध्ययन के नए निष्कर्ष एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'एनवायरनमेंटल टॉक्सिकोलॉजी' में दो भागों में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन शोध छात्र

प्रदीप कुमार जायसवारा ने शोधकर्ता विशाल कुमार गुप्ता, राजन कुमार तिवारी और शिव गोविंद रावत के साथ किया था, और इसे यूजीसी स्टार्ट-अप रिसर्च ग्रांट द्वारा वित्त पोषित किया गया था।

शोधकर्ताओं ने कहा कि नीम एक पारंपरिक औषधीय पेड़ है, जिसके फूलों और पत्तियों का व्यापक रूप से एंटी-परजीवी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी- सहित कई औषधीय गुणों के कारण कई बीमारियों के इलाज के लिए पारंपरिक दवा के रूप में उपयोग किया जाता है। हाल ही में, नीम की पत्तियों और फूलों से पृथक एक बायोएक्टिव घटक, निबोलाइड, और इसके औषधीय मूल्यों के पीछे महत्वपूर्ण अणुओं में से एक के रूप में पहचाना गया है। निबोलाइड की ट्यूमर-विरोधी प्रभावकारिता का मूल्यांकन केवल कुछ कैंसर के खिलाफ किया गया है।

हार्डी संधू का नया सिंगल 'कुड़ियां लाहौर दिया' रिलीज

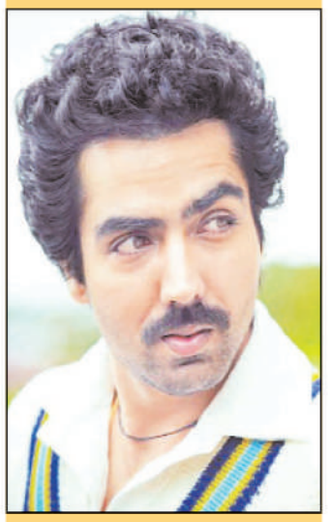

मुंबई (आईएएनएस)। जाने-माने गायक हार्डी संधू ने अपने नए रिलीज हुए गीत कुड़ियां लाहौर दिया' के बारे में बात की, जिसमें आयशा शर्मा हैं। हार्डी कहते हैं कि कुड़ियां लाहौर दिया मेरे लिए एक बेहद खास गाना है । यह मेरी कलात्मकता के लिए बहुत ही सही है और मुझे मेरी पंजाबी जड़ों के करीब लाता है। जानी ने इन गीतों को लिखने के साथ खुद को आगे बढ़ाया है, बी प्राक ने एक बीट की रचना की है, और अरविंद खैरा ने निस्संदेह वीडियो की अवधारणा की, जो गीत के साथ पूर्ण न्याय करता है। संधू ने अपने अभिनय की शुरूआत 'यारां दा कैचअप' से की थी और उनके गाने 'सोच' को फिल्म 'एयरलिफ्ट' के लिए रीमेक किया गया था। गायक ने साझा किया कि उन्हें अपने नवीनतम ट्रैक के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा कि जब हमने पहली बार एक ड्राफ्ट बनाया था, तब से मुझे इस पर काम करना अच्छा लगा और मैं 'कुड़ियां लाहौर दिया' को जीवंत करने के लिए अपनी टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है कि प्रशंसक इसे अपना सारा प्यार देंगे और इसे आपकी प्लेलिस्ट में जगह मिलेगी।

ज्यादा ओटीटी

देखने पर हो सकती हैं समस्याएं

नई दिल्ली (आईएएनएस)।

राहुल (बदला हुआ नाम) जो दिल्ली के एक 23 वर्षीय कामकाजी पेशेवर है, को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं से प्यार है। ओटीटी ने उसे अपने सोफे से प्रीमियम मूल कंटेंट देखने में सहूलियत प्रदान की, वह भी एक वार्षिक कीमत पर। पिछले दो वर्षों में कोविड-प्रेरित लॉकडाउन और घर से आगामी कार्य परिदृश्य के साथ, उसके लिए समय बिताना आसान हो गया। बिना जाने ही उसे ओटीटी कंटेंट की लत लग गई। वह किसी भी शो को रिलीज होने वाले दिन ही देखता था। उसने बिना सोए लगातार कई शो देखे, जिससे अगले दिन उसके कामकाज पर असर पड़ा। लेकिन राहुल ने इसे नजरअंदाज कर दिया। यह अंततः उसकी एक आदत बन गई। सप्ताह में लगभग दो से तीन बार ऐसा ही करता था। नींद-नुकसान का पैटर्न कई महीनों तक जारी रहा। वह धीरे-धीरे अनिद्रा के शिकार होते चले गए। अब उनका सोना मुश्किल हो जाता है, और चिंता से संबंधित मुद्दे भी शुरू हो गए। उसके काम का प्रदर्शन भी ठीक नहीं चल रहा था और घर के अंदर अधिक समय बिताने के कारण उसने सभी सामाजिक संपर्क खो दिए हैं।

राहुल के ऑनलाइन स्ट्रीमिंग का आदी होने के बाद लोगों की स्थिति का एक विशिष्ट उदाहरण है। ज्यादा ओटीटी देखने के कारण अक्सर मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे चिंता, अवसाद, नींद की कमी, थकान, खराब ध्यान और एकाग्रता में कठिनाई, भुलक्कड़ होना और शरीर में दर्द होना शुरु हो जाता है। लोग अस्वास्थ्यकर खाने की आदतों में भी संलग्न हो जाते हैं और इस

प्रकार वजन संबंधी समस्याएं होती हैं, जो आगे चलकर अन्य गंभीर रोगों में बदल जाता है। ज्यादा ओटीटी देखने से परिवार के सदस्यों, दोस्तों के बीच संघर्ष भी हो सकता है, काम और शिक्षा को भी प्रभावित करते हैं। फोर्टिस हेल्थकेयर के मेंटल हेल्थ एंड बिहेवियरल साइंसेज के निदेशक समीर पारिख के अनुसार, ओटीटी देखने के कारण होने वाली लत और परिणामी परिणामों को अभी तक एक व्यवहार विकार के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है, वे प्रमुख चिंता का विषय हैं।

पारिख ने बताया कि आप बैठने की स्थिति में या लेटने की स्थिति में कई घंटे बिता रहे हैं। आप एक डिजिटल इंटरफेस पर कई घंटे बिता रहे हैं। यह आपके समय को सामाजिक जुड़ाव, आपके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अन्य काम, या कुछ शारीरिक गतिविधि से दूर ले जा रहा है। इस समय में आप कुछ ऐसा कर सकते थे जिसे करना आपको पसंद था। पारिख ने कहा कि ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के आदी होने का क्या मतलब है? यह ऑनलाइन गेमिंग की लत के समान है। पारिख ने कहा कि इसका मतलब है कि आप एक गतिविधि करने में कई घंटे बिताते हैं, और आप खुद को रोक नहीं पाते हैं। जब आप उस गतिविधि को नहीं करते हैं, तो आप बेचैन महसूस करते हैं और फिर यह आपके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है सामाजिक, व्यावसायिक और आत्म-जीवन आपको मिलने लगता है। 2018 से सामने आई ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाएं भारत के मनोरंजन उद्योग में धीमी लेकिन अच्छी पैठ बना रही हैं। लेकिन दो साल की महामारी के बीच जनता ने इसे अपनाने में तेजी लाई है। क्योंकि कोविड के दौर में लोग बाहर नहीं निकल पा रहे थे, इसलिए वे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अधिक निर्भर हो गए।

रवि तेजा के साथ काम करके खुश हैं जीवी प्रकाश

चेन्नई (आईएएनएस)। संगीत निर्देशक जीवी प्रकाश कुमार इस बात से खुश हैं कि वे निर्देशक वामसी की अखिल भारतीय फिल्म टाइगर नागेश्वर राव के लिए संगीत देंगे, जिसमें तेलुगु स्टार रवि तेजा मुख्य भूमिका में हैं। शनिवार को हुई फिल्म के भव्य लॉन्च में भाग लेने वाले जीवी प्रकाश ने ट्वीट किया, पहली बार 'टाइगर नागेश्वर राव' में रवि तेजा सर के साथ काम करके खुश हूं। अभिनेता-संगीत निर्देशक ने फिल्म लॉन्च की शोभा बढ़ाने के लिए तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, इस अवसर की शोभा बढ़ाने और हमें आशीर्वाद देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद चिरंजीवी सर। फिल्म, में अभिनेत्रियां नूपुर सेनन, गायत्री भारद्वाज और रेणु देसाई नायिकाएं होंगी।

लॉन्च के दौरान, अभिनेता चिरंजीवी ने कहा कि टाइगर नागेश्वर राव की कहानी मुझे महामारी के दौरान निर्देशक वामसी द्वारा सुनाई गई थी। मैं फिल्म नहीं कर सका। अब, मेरे छोटे भाई रवि तेजा इसे कर रहे हैं।

टीएवीआर टेक्नोलॉजी से की बेहद जोखिमपूर्ण हार्ट सर्जरी

नई दिल्ली।

फोर्टिस अस्पताल, नोएडा ने हाल ही में अस्पताल ट्रांसकैथेटर एओर्टिक हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) प्रोसीजर से 83 वर्षीय महिला मरीज़ का इलाज किया गया, जिसे दिल के वाल्व के छोटा होने की गंभीर समस्या थी। उसकी स्थिति बहुत गंभीर थी और वह पूरी तरह बिस्तर पर थी। क्योंकि यह जान जाने की आशंका वाली जोखिम से भरी ओपन-हार्ट सर्जरी थी तो कई अस्पतालों ने बुजुर्ग मरीज़ को भर्ती करने से मना कर दिया था। लेकिन फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के कार्डियक साइंसेज के प्रमुख डॉ अजय कौल के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने टीएवीआर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके सफलतापूर्वक सर्जरी की और मरीज़ को 3 दिनों में छुट्टी दे दी गई। नोएडा क्षेत्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाला यह पहला अस्पताल है। उत्तर प्रदेश में इस तरह का यह दूसरा मामला है।

हाल के वर्षों में, टीएवीआर बहुत जोखिम वाले या ओपन हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए मना करने वाले मरीज़ों के इलाज का पसंदीदा तरीका बन गया है। यह मिनिमली इनवेसिव प्रोसिजर है, जिसमें फेमोरल आर्टरी (ग्रोइन में मौजूद बड़ी आर्टरी) के ज़रिए डाली गई कैथेटर या ट्यूब से रिप्लेसमेंट वाल्व पहुंचाकर पुराने क्षतिग्रस्त वाल्व को हटाए बिना एओर्टिक हार्ट वाल्व को ठीक किया जाता है। इससे पहले असफल हो चुके बायोप्रोस्थेटिक वाल्व वाले मरीज़ों का इलाज भी किया जा सकता है और इस तरह किसी मेजर सर्जरी की ज़रुरत नहीं पड़ती। इससे बहुत बुजुर्ग या गंभीर को-मोर्बिडिटी वाले मरीज़ों का इलाज किया जाता है, इसलिए सर्जरी की जटिलता या जोखिम बढ़ जाता है।

युवान शंकर ने जारी किया वेब सीरीज 'अनंतम' का टीजर

चेन्नई (आईएएनएस)। संगीत निर्देशक युवान शंकर राजा ने फिल्म निर्माता मणिरत्नम की पूर्व सहयोगी और अभिनेता प्रकाश राज की मुख्य भूमिका वाली प्रिया वी द्वारा निर्देशित एक वेब सीरीज 'अनंतम' का टीजर जारी किया है। 8-एपिसोड की वेब सीरीज का प्रीमियर 22 अप्रैल को जी5 पर होना है। टीजर जारी करने के लिए ट्विटर पर युवान ने कहा, क्या होगा अगर आपके घर में आवाज होगा? 'अनंतम' के लिए अपने कान लगा दें। 22 अप्रैल को रिलीज होगी! पूरी टीम को शुभकामनाएं। सीरीज भावनात्मक और मनोरंजक क्षणों का एक मिश्रण होगी, यह 1964 से 2015 तक एक विशेष घर में रहने वाले व्यक्तियों के जीवन को दिखाती है। कहानी एक बेटे के साथ शुरू होती है, जो 'अनंतम' नाम के अपने पैतृक घर की फिर से यात्रा करता है और विभिन्न परिवारों के आश्चर्य, विश्वासघात, सफलता, प्यार, हंसी, डरावनी और साहस की कहानियों को खोजने के लिए स्मृति लेन की यात्रा पर जाता है।

पानी बचाने के लिए पांच साल में अकेले खोद डाला तालाब

रांची (आईएएनएस)।

जलसंकट पर अखबार में 18 साल पहले छपी एक खबर ने झारखंड के देवघर निवासी समीर अंसारी के जेहन में हलचल मचा दी। उन्होंने कसम खाई कि वह बूंद-बूंद पानी बचाएंगे और अपना पूरा जीवन इसी संकल्प को समर्पित कर देंगे। तब से यह जुनून पल भर को भी उनके सिर से नहीं उतरता। उन्होंने पिछले पांच साल में एक अकेले दम पर शहर में एक बड़ा तालाब खोद डाला है। तय किया है कि तालाब की गहराई जब तक बीस फीट नहीं पहुंच जाती, वह खुदाई जारी रखेंगे। उनके इस जुनून की गूंज अब दूर तक है। बीते 30 मार्च को उन्हें केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में जल प्रहरी सम्मान से नवाजा है।

समीर अंसारी ने बताया कि बूंद-बूंद जल सहेजने का संकल्प लेने के बाद उन्होंने इसकी शुरुआत सबसे पहले अपने घर से की। नल से बेकार बह जाने वाले पानी के लिए खुद से एक वाटर रिचार्ज पिट बनाया। छत से गिरने वाले बारिश के पानी को भी इस रिचार्ज पिट में पहुंचाने का इंतजाम किया। फिर वह 'पानी बचाओ' की अपील वाली तख्ती लेकर गांव-गांव घूमने लगे। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश के सैकड़ों गांवों में अकेले गये। लोगों से अपील की आने वाली नस्लों के लिए पानी बचाइए। किसी ने उनकी बात गौर से सुनी, तो किसी ने हंसी-मजाक में उड़ा दी।

अपने शहर देवघर से गुजरने वाली डढ़वा नदी की गंदगी और दुर्दशा उन्हें बहुत परेशान करती थी। नदी में लोगों को गंदगी फेंकते और फिर उसी पानी का उपयोग करते देखते तो बड़ी तकलीफ होती थी। लोगों को समझाने की कोशिश की तो उल्टे झिड़की और उलाहना मिली। किसी ने कहा- हम लोगों से दिक्कत है तो अपने लिए कहीं और नदी-तालाब ढूंढ़ लो। यह बात फिर समीर अंसारी के दिल को चुभ गयी। उन्होंने उसी क्षण डढ़वा नदी के पास ही एक तालाब खोदने का फैसला कर लिया लेकिन नदी के पास जो खाली जमीन थी, उस पर दबंगों ने अतिक्रमण और कब्जा कर रखा था। समीर अंसारी ने जिला प्रशासन से गुहार लगायी। जमीन अवैध कब्जे से मुक्त करायी गयी।

- 18 साल पहले छपी अखबार की एक खबर ने पैदा किया जुनून
- 20 फीट गहरा तालाब खोदने के प्रयास में हैं समीर अंसारी
- अंसारी को मिला जल प्रहरी का सम्मान

इसके बाद समीर अकेले यहां तालाब खोदने में जुट गये। रोज सुबह पांच बजे उठते और फावड़ा-कुदाल लेकर पहुंच जाते। शाम ढलने तक अकेले खुदाई जारी रखते। घर के लोग दोपहर में वहीं खाना-पानी पहुंचा जाते। घर में मां, बीवी, दो बच्चे हैं। शुरुआत में सबने कहा- पूरे दिन यही करोगे तो घर-परिवार की रोजी-रोटी कैसे चलेगी? समीर अंसारी बताते हैं कि उन्होंने यह सब ऊपर वाले पर छोड़ दिया। घर में मां के नाम पर राशन कार्ड है। अनाज मिल जाता है। घर के छोटे-मोटे काम से थोड़ी नगदी आ जाती है। ससुराल के लोग भी कुछ मदद कर देते हैं। गुजारा हो जाता है बस।

समीर का कहना है कि थोड़ी-बहुत परेशानी है भी तो उनकी तुलना में तालाब-बांध बनाने और पानी बचाने का यह काम बहुत बड़ा है। उन्हें संतोष है कि वह अपना जीवन इस पवित्र काम में लगा रहे हैं। वह कुरान शरीफ के हदीस का हवाला देते हुए कहते हैं कि अल्लाह ने भी पानी को बड़ी नेमत बताया है।

समीर अंसारी बताते हैं कि उन्होंने जब अकेले तालाब खोदने का काम शुरू किया तो शहर-गांव के लोगों ने उन्हें पागल कहा। लोग हंसते थे। उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। वह पांच साल की मेहनत का तब नतीजा सामने आया, जब पिछले साल मॉनसून में उनके बनाये तालाब-बांध में पानी जमा हुआ। आस-पास के लोगों ने मवेशियों को पानी पिलाने से लेकर दूसरे काम में इस तालाब के पानी का उपयोग करना शुरू हुआ। उन्हें उम्मीद है कि इस मॉनसून में तालाब में भरपूर जल इकट्ठा होगा।

वह बताते हैं कि घर-परिवार के लोगों के बाद उनके एक मित्र अजीम अंसारी ने उनका बहुत हौसला बढ़ाया। हमेशा हिम्मत देते रहे। अब तो कई लोग उनके जुनून और उनकी बातों पर यकीन करते हैं। बीते 30 मार्च को वह दिल्ली में जल प्रहरी का सम्मान लेने गये तो उनके साथ उनके मित्र अजीम अंसारी भी थे। अजीम कहते हैं, 'समीर भाई अपने काम से पानी बचाने का जो पैगाम दे रहे हैं, उसे अगर कुछ लोग भी अपनी जिंदगी में सबक ले लें तो बेशक यही सबसे बड़ी कामयाबी होगी।'

'अंते सुंदरानिकी' का गाना 6 को

हैदराबाद (आईएएनएस)। नानी की आगामी रोम-कॉम 'अंते सुंदरानिकी' तेलुगु भाषा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला 'पंचकट्टू' सिंगल रिलीज करने की घोषणा कर दी है। संगीत विवेक अथरेया द्वारा तैयार किया जा रहा है, 'अंते सुंदरानिकी' का पहला सिंगल टिल्टेड 'पंचकट्टू' 6 अप्रैल को शाम 6.30 बजे रिलीज होना है। निर्माताओं ने नानी की विशेषता वाला एक पोस्टर जारी करके यह घोषणा की। पोस्टर में नानी टैक्सी से झांकते हुए भ्रमित नजर आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि पृष्ठभूमि को एक हास्यपूर्ण दृष्टिकोण के साथ डिजाइन किया गया है। प्रतिष्ठित मैथरी मूवी वैनर के तहत विवेक अथरेया द्वारा अभिनीत, 'एंटे सुंदरानिकी' में मलयालम अभिनेत्री नाजरिया फहद नाजिम नायिका के रूप में हैं, जो लीला थॉमस की भूमिका निभा रही हैं।

पेपर लीक मामले में पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही पर जिले के पत्रकारो में गहरा आक्रोष व्याप्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा में नकल माफियाओं व बलिया जिला प्रशासन के सांठ-गांठ को उजागर करने वाले पत्रकार अजित ओझा, दिग्विजय सिंह व मनोज गुप्ता के अपने समाचार पत्र में पेपर लीक होने की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिससे बौखलाये अधिकारियो ने अपने काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए पत्रकारों पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्यवाही पर जिले के पत्रकारो में गहरा आक्रोष व्याप्त है। इस प्रकरण पर गाजीपुर के पत्रकारो ने एकजुटता दिखाते हुए गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन भवन पर पत्रकारों की आकस्मिक बैठक बुलायी। पत्रकारो ने बलिया प्रशासन के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया और अपने-अपने विचार व्यक्त किये। इस कृत्य के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल को तत्काल निर्दोष पत्रकारों को बिना शर्त जेल से रिहा करने व जिलाधिकारी बलिया के निलम्बिन की मांगो से सम्बन्धित ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। बैठक के उपरान्त सभी पत्रकारों ने गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में जिलाधिकारी आवास पहुंच कर अपना मांग पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह को सौपा। जिसपर जिलाधिकारी ने मांग पत्र को राज्यपाल

व मुख्यमंत्री को भेज कर कार्यवाही का आश्वासन दिया। पत्रकारो ने कहा कि यदि हमारी मांगे पुरी नही हुई तो पत्रकार आन्दोलन तेज कर दिया जायेगा।

मांग पत्र सौपने वाले पत्रकारों में उपजा के अध्यक्ष उधम सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अशोक श्रीवास्तव, अविनाश प्रधान, अनिल उपाध्याय, महासचिव चन्द्र कुमार तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज पाण्डेय, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह, सह सचिव शिवप्रताप तिवारी, आयव्यय निरीक्षक राममनोज त्रिपाठी, राजेश सिंह, राधेश्याम पाण्डेय, प्रमोद सिन्हा, रामजनम कुशवाहा, आलोक त्रिपाठी, विनय कुमार सिंह, संजय सिंह, दुर्गविजय सिंह, सूर्यवीर सिंह, आसिफ अंसारी, अजय शंकर तिवारी, अजय राय बब्लू, विक्की, अरूण कुमार श्रीवास्तव, पवन श्रीवास्तव, विनोद खरवार, अखिलेश यादव, मनिष मिश्रा, आशुतोष त्रिपाठी, प्रदीप दुबे, शशिकान्त तिवारी, अनिल कश्यप, रविकान्त पाण्डेय, देवब्रत, विनोद गुप्ता, लक्ष्मी श्रीवास्तव, राजीव कुमार पाण्डेय, आरिफ वारसी, गुडडू अंसारी, प्रदीप शर्मा, इकरार खां, रोहित पटवा, विनय यादव, अमरजीत राय, रजत श्रीवास्तव, डा. ए.के. राय, के.एन. शर्मा, ईश्वर चन्द्र आदि उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कोतवाल ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रदेश भर में हो रहे परीक्षा को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रही है ताकि प्रदेश भर में नकल विहीन परीक्षा कराई जा सके जिसको लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पहले ही जनपद भर नकल विहीन परीक्षा कराने के शक्त निर्देश दिए जा चुके है।इसी क्रम में सोमवार को केराकत क्षेत्र के कृष्ण बिहारी इंटर कालेज पेसारा,भगवंत इंटर कालेज अमिहित,सेनापुर इंटर कालेज समेत अन्य परीक्षा केंद्रों पर प्रभारी निरीक्षक लक्षण पर्वत के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में लगे सीसीटीवी कैमरा,स्ट्रांग रूम,कमरों के साथ विद्यालय के आस पास अराजकत्त्वो पर बारीकियों के साथ नजर रखते हुए सघन चेकिंग किया गया चेकिंग के दौरान विद्यालयों में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया।

राज्य शिक्षक सम्मान '2019 से सम्मानित हुए शैलेन्द्र विक्रम सिंह

प्रखर वाराणसी। सरकार के सार्वभौमिक शिक्षा के संवैधानिक संकल्प के ध्वज वाहक के रूप में अपवंचित वर्ग के बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के सबसे बड़े अस्त्र शिक्षा के प्रचार -प्रसार हेतु अपने आप को समर्पित करने का संकल्प लेता हूँ '

उक्त बातें शैलेन्द्र विक्रम सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार में जनपद के तीनों माननीय मंत्रियों के हांथों राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद आज जनपदीय स्कूल चलो अभियान रैली '2022 के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा '

ज्ञातव्य हो कि आज जनपद श्रावस्ती से माननीय मुख्यमंत्री तथा माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा स्कूल चलो अभियान '2022 के उदघाटन के बाद समस्त जनपदों में अभियान की शुरूआत किये जाने के आदेश के क्रम में कम्पॉजिट विद्यालय शिवपुर वाराणसी में आयोजित जनपदीय रैली में उत्तर प्रदेश सरकार में जनपद के तीनों मंत्रियों, विधायक गण, जिलापंचायत अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक(वाराणसी मण्डल), जिला बेसिक शिक्षा शिक्षाधिकारी डॉ राकेश सिंह के हांथों श्री सिंह को प्रशस्ति पत्र अंगवस्त्रम, बुकें आदि देकर सम्मानित किया गया '

मीडिया द्वारा पूछे गये एक प्रश्न के जवाब में श्री सिंह ने कहा कि आज के कार्यक्रम में मुख्य मंत्री द्वारा निर्धारित दो करोड़ के नामांकन के लक्ष्य को हासिल करने में जनपदीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृत संकल्पित हूँ '

नकद पुरस्कार राशि के प्रश्न पर उन्होंने बताया कि पुरस्कार के तौर पर 25000/-की राशि दी जाती है जिसे उन्होंने बेसिक शिक्षा की बेहतरी के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया ' उन्होंने राज्य शिक्षक सम्मान को अपने विद्यालय के बच्चों, सहयोगी शिक्षकों, मित्रों, सहयोगियों, अधिकारियों विशेषकर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी डॉ राकेश सिंह के कुशल निर्देशन को समर्पित किया '

कार्यक्रम के बाद श्री सिंह को बधाईयों का तांता लग गया जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता अरविन्द सिंह, अखंड सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा /सांसद चंदौली, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (प्रतिनिधि), संजय सिंह उपाध्यक्ष भाजपा, जगदीश सिंह, सकलदेव सिंह, दीपक पांडेय,विनोद सिंह, राजीव सिंह, डॉ कुंवर भगत सिंह, अखिलेश्वर गुप्ता, डा मनीष कुशवहा,संतोष सिंह, रनंजय सिंह, विभोर भृगुवंशी, विपिन सिंह,शशांक पांडेय , ज्योति प्रकाश, संजीव त्रिपाठी,अमिता सिंह, अंजू लता,रमेश सिंह, डॉ राजेश्वर सिंह, रमेश तिवारी, रमेश यादव, चंद्रशेखर सिंह, अजय सिंह आदि प्रमुख रहे '

महावीर चक्र विजेता के परिजन हुए सम्मानित

प्रखर जखनियां गाजीपुर। भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में शहीदों को शत शत नमन के अन्तर्गत एन सी सी ईकाई पी जी कालेज भुड़कुड़ा गाजीपुर के तत्वावधान लेफ्टिनेंट डा रमेश कुमार के नेतृत्व में अमर शहीद महावीर चक्र विजेता रामउग्रह पांडेय जी की ऐमाबंशी ग्राम स्थित शहीद पार्क में शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। 92 एन सी सी बटालियन द्वारा दिया गया। स्मृति चिन्ह शहीद के परिजनों को सौंपा गया। उक्त अवसर पर समस्त एन सी सी कैडेट्स अश्विनी सिंह दीक्षित, ग्राम प्रधान चन्दन सिंह, शहीद के परिजन राम पलट दूबे, सुनीता पांडेय , जितेन्द्र सिंह, सहित उपस्थित लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। उक्त अवसर पर सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वच्छ भारत के अन्तर्गत एन सी सी कैडेट्स के द्वारा शहीद पार्क परिसर की साफ सफाई भी की गयी।

स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

राज्य शिक्षक सम्मान '2019 से सम्मानित हुए शैलेन्द्र विक्रम सिंह

प्रखर डेस्क। सरकार के सार्वभौमिक शिक्षा के संवैधानिक संकल्प के ध्वज वाहक के रूप में अपवंचित वर्ग के बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के सबसे बड़े अस्त्र शिक्षा के प्रचार -प्रसार हेतु अपने आप को समर्पित करने का संकल्प लेता हूँ। उक्त बातें शैलेन्द्र विक्रम सिंह, उत्तर प्रदेश सरकार में जनपद के तीनों माननीय मंत्रियों के हांथों राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद जनपदीय स्कूल चलो अभियान रैली '2022 के अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा। जनपद श्रावस्ती से मुख्यमंत्री तथा बेसिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा स्कूल चलो अभियान '2022 के उदघाटन के बाद समस्त जनपदों में अभियान की शुरूआत किये जाने के आदेश के क्रम में कम्पॉजिट विद्यालय शिवपुर वाराणसी में आयोजित जनपदीय रैली में उत्तर प्रदेश सरकार में जनपद के तीनों माननीय मंत्रियों, माननीय विधायक गण, माननीय जिलापंचायत अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक(वाराणसी मण्डल), लोकप्रिय जिला बेसिक शिक्षा शिक्षाधिकारी डॉ राकेश सिंह के हांथों श्री सिंह को प्रशस्ति पत्र

अंगवस्त्रम, बुकें आदि देकर सम्मानित किया गया। नकद पुरस्कार राशि के प्रश्न पर शैलेंद्र ने बताया कि पुरस्कार के तौर पर ?25000/- की राशि दी जाती है जिसे उन्होंने बेसिक शिक्षा की बेहतरी के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया। उन्होंने राज्य शिक्षक सम्मान को अपने विद्यालय के बच्चों, सहयोगी शिक्षकों, मित्रों, सहयोगियों, अधिकारियों विशेषकर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी डॉ राकेश सिंह के कुशल निर्देशन को समर्पित किया। कार्यक्रम के बाद श्री सिंह को बधाईयों का तांता लग गया जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता अरविन्द सिंह, अखंड सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा /सांसद चंदौली, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (प्रतिनिधि), संजय सिंह उपाध्यक्ष भाजपा, जगदीश सिंह, सकलदेव सिंह, दीपक पांडेय,विनोद सिंह, राजीव सिंह, डॉ कुंवर भगत सिंह, अखिलेश्वर गुप्ता, डा मनीष कुशवहा,संतोष सिंह, रनंजय सिंह, विभोर भृगुवंशी, विपिन सिंह,शशांक पांडेय , ज्योति प्रकाश, संजीव त्रिपाठी,अमिता सिंह, अंजू लता,रमेश सिंह, डॉ राजेश्वर सिंह, रमेश तिवारी, रमेश यादव, चंद्रशेखर सिंह, अजय सिंह आदि प्रमुख रहे।

पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के प्रति किया जागरूक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा सिंचाई विभाग, बंधवा पूल स्थित सम्राट एकेडमी कोचिंग संस्थान में मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत वहां मौजूद छात्राओं को मिशन शक्ति कार्यक्रम के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा महिलाओं एवं बच्चियों को उनके सुरक्षा, स्वालंबन एवं सम्मान के संबंध में जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा महिलाओं के सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, यूपी-112 आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया तथा महिलाओं तथा बच्चियों से अपील की गई कि वह किसी भी प्रकार के अपने साथ हो रहे अपराध के संबंध में चुप न रहे, बल्कि शिकायत करें, जिससे अपराध करने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जा सके।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर कोतवाल ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

प्रखर केराकत जौनपुर। प्रदेश भर में हो रहे परीक्षा को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद नजर आ रही है ताकि प्रदेश भर में नकल विहीन परीक्षा कराई जा सके जिसको लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने पहले ही जनपद भर नकल विहीन परीक्षा कराने के शक्त निर्देश दिए जा चुके है।इसी क्रम में सोमवार को केराकत क्षेत्र के कृष्ण बिहारी इंटर कालेज पेसारा,भगवंत इंटर कालेज अमिहित,सेनापुर इंटर कालेज समेत अन्य परीक्षा केंद्रों पर प्रभारी निरीक्षक लक्षण पर्वत के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में लगे सीसीटीवी कैमरा,स्ट्रांग रूम,कमरों के साथ विद्यालय के आस पास अराजकत्त्वो पर बारीकियों के साथ नजर रखते हुए सघन चेकिंग किया गया चेकिंग के दौरान विद्यालयों में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया।

हत्या आरोपित एसडीएम के गिरफ्तारी को लेकर तहसील में की तालाबंदी, किया प्रदर्शन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रतापगढ़ जिले के लालगंज तहसील के एक राजस्व लिपिक की एसडीएम के ऊपर निर्दयता से हत्या का आरोप लगाते हुए आरोपित एसडीएम के गिरफ्तारी को लेकर पिंडरा तहसील के कर्मचारी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार को तालाबंदी कर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। अंत मे शोक सभा की।

पिंडरा तहसील के कर्मचारी सुबह पहुचे और प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी न्यायालयों और पटल के कमरों में ताला लगाकर बन्द कर तहसील सभागार कक्ष में एकत्र होकर प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन प्रतापगढ़ के खिलाफ नारेबाजी कर और आरोपित एसडीएम की गिरफ्तारी न होने पर रोष जताया। इस दौरान एसडीएम को सेवा से बर्खास्त करने, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रखा और दिवंगत कर्मचारी सुनील कुमार शर्मा के प्रति शोक संवेन्दना व्यक्त की।। जिसके फरियादियों को बैरंग वापस लौटना पड़ा। इस दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रांतीय संगठन मंत्री राजकुमार वर्मा, प्रमोद कुमार, सुनील कुमार, गोपाल यादव,महेश कुमार, दीपक श्रीवास्तव, राजबली मिंश्र, हरिश्चंद्र, रामसूरत पाल, प्रदीप मौर्य, अनिल यादव, बाडू यादव समेत अनेक तहसील के कर्मचारी रहे।

स्व. मेघबरन सिंह हॉकी एकेडमी की टीम ने हाशिल की शानदार सफलता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्व. मेघबरन सिंह हॉकी एकेडमी की टीम ने फिर शानदार सफलता हासिल किया। टीम ने बीते दिनों कटनी मध्य प्रदेश में हो रहे हॉकी प्रतियोगिता में हैदराबाद की टीम को 5-1 से पराजित कर खिताब पर अपना कब्जा जमाया। इस सफलता के लिए इनाम स्वरूप टीम को कमेटी ने 1 लाख का चेक प्रदान किया। इस सफलता पर स्टेडियम के प्रबंधक राधेमोहन सिंह, संचालक आशुतोष सिंह, अनिकेत सिंह व मनोज सिंह टीम के प्रदर्शन से काफी उत्साहित है। प्रतियोगिया में खिलाड़ियों द्वारा शानदार प्रदर्शन के लिए इन्होंने टीम के कोच इन्द्रदेव राजभर के प्रति आभार व्यक्त किया। मालूम हो कि इससे पहले भी स्व. मेघबरन सिंह हॉकी एकेडमी की टीम के खिलाड़ी प्रतियोगिता में सफलता का परचम लहराते हुए एकेडमी का नाम रोशन कर चुके है।

बाल श्रमिक विद्या योजना के अंतर्गत बालक को एक हजार रुपए और बालिका को बारह सौ रुपए प्रति माह मिलेगा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। श्रम प्रवर्तन अधिकारी लईक अहमद द्वारा बताया गया है कि जिन बाल श्रमिकों/कामकाजी बच्चों के माता-पिता नहीं हैं या वे दिव्यांग हैं, ऐसे बाल श्रमिकों/कामकाजी बच्चों को श्रम विभाग द्वारा संचालित बाल श्रमिक विद्या योजना के अंतर्गत बालक को एक हजार रुपए और बालिका को बारह सौ रुपए प्रति माह दिये जायेंगे। अपर श्रम आयुक्त, उ.प्र., वाराणसी क्षेत्र मधुर सिंह द्वारा बताया गया कि श्रम विभाग द्वारा संचालित बाल श्रमिक विद्या योजना के अंतर्गत जिले में पात्रता के आधार पर कुल 49 कामकाजी बच्चे चयनित किये गये हैं, जिनमें 25 कामकाजी बालिकायें एवं 24 कामकाजी बालक हैं। माह अक्टूबर एवं नवम्बर 2021 का तथा 49 में से 7 कामकाजी बच्चे, जिसमें 2 बालक एवं 5 बालिकायें हैं, जिनको माह-अक्टूबर, नवम्बर, व दिसंबर 2021 एवं जनवरी 2022 का आर्थिक सहायता के रूप में कुल धनराषि एक लाख पचीस हजार सीधे उनके खाते में भेज दिया गया है। उक्त योजनांतर्गत बालक को एक हजार रुपए और बालिका को बारह सौ रुपए प्रति माह दिये जाने का प्राविधान है। इस दौरान श्रम प्रवर्तन अधिकारी पंचेष्वरी द्वारा बताया गया कि योजना का उद्देष्य बाल व किशोर श्रमिकों को शिक्षा का समान अवसर देकर उनका सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने बताया कि बच्चों की विद्यालय में न्यूनतम 70 प्रतिषत उपस्थिति का सत्यापन विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं क्षेत्रीय श्रम प्रवर्तन अधिकारियों की जाँच के आधार पर इस योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दिये जाने का प्राविधान है। टी.आर.पी. नया सवेरा अमीनुद्दीन ने बताया कि बच्चों का नियमित रूप से विद्यालय से अनुश्रवण किया जाता है।

अनियंत्रित होकर बाइक सड़क के किनारे रखे ईट से टकराई

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत कोतवाली के थानागद्दी चौकी अंतर्गत सोमवार की सुबह परीक्षा देने बाइक से जा रहे तीन छात्र बुरी तरह से घायल हो गए जिनमें दो छात्र की हालत नाजुक बताई जा रही है। गौरतलब हो कि सोमवार की सुबह एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर सुबह की पाली में परीक्षा देने जनता इंटर कॉलेज रतनुपुर जा रहे थे।जैसे ही शिवरामपुर कला के मोड़ पर पहुंचने वाले थे कि सड़क के किनारे रखे ईट के टुकड़ो में बाइक तेज गति होने से अनियंत्रित होकर टकरा गई। जोरदार टक्कर होने से एक छात्र जख्मी व दो छात्रों की हालत नाजुक बताई जा रही है स्थानीय लोगो की मदद से घायलों को सामूदायिक केंद्र केराकत भेजा गया जहां हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्यन श्रीवास्तव,आकाश सिंह टड़वा व सिद्धार्थ सिंह सोहनी का निवासी बताया जा रहा है।

समाज में विकास प्रापर्टी व धन से नहीं बल्कि ज्ञान से आता है- जिलाधिकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा 4 अप्रैल से 30 अप्रैल 2022 तक प्रत्येक परिषदीय विद्यालय में वृहद स्तर पर स्कूल चलो अभियान संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस महा अभियान का आज दिन सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा श्रावस्ती से शुभारम्भ किया गया।

जनपद गाजीपुर के 2269 परिषदीय विद्यालयों में बच्चों व शिक्षकों द्वारा इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। कम्पोजिट विद्यालय, सिकन्दपुर करण्डा में जिलाधिकारी एम.पी सिंह की उपस्थिति में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गाजीपुर से लाइव मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सभी ने सुना, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा एक मात्र ऐसा साधन है जो एक व्यक्ति के जीवन में परिवर्तन कर सकता है। राष्ट्र तभी विकसित होगा जब यहां का हर व्यक्ति, हर बच्चा शिक्षित होगा। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा कि इस अभियान के तहत गांव या शहर के

प्रत्येक बच्चे का स्कूल में नामांकन किया जाए। एक भी बच्चा छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि सभी अभिवावक, अध्यापक गण इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लें और 30 अप्रैल तक घर-घर दस्तक देकर प्रत्येक बच्चे का बेसिक शिक्षा में नामांकन कराना सुनिश्चित कराएंगे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत व नगर निकाय के सभी जनप्रतिनिधि गण इस अभियान का हिस्सा बनेंगे। इस मौके पर कम्पोजिट विद्यालय ग्राम पंचायत सिकन्दपुर करण्डा में जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने-अपने बच्चों को स्कूल चलो अभियान से जोड़ें तथा इस अभियान में शतप्रतिशत बच्चों का नामांकन कराएं। आज से अभी से हम लोग अपने अपने गॉवो में क्षेत्रो में जहा पर हमलोग रहते है न ही पता करे बल्कि सर्वे जैसा काम करे। ग्राम्य विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग के सहयोग एवं समन्वयन से हम लोग जनपद कें प्रत्येक गॉव में ऐसे कितने बच्चे जो छूटे हुए है। 2020-21 में 2 लाख 80 हजार के सापेक्ष में 2021-22 में 3 लाख 385 छात्रों का रजिस्टेशन हुआ। इस योजना के तहत कोई भी बच्चा छूट न पाये इसपे बहुत ध्यान देना है। हम आशा एवं विश्वास करते है कि आप सभी लोग अपने अपने बच्चो को विद्यालय अवश्य भेजेगे। उन्होने गरीब घरो के बच्चो जो स्कुल जाने से वचित रह जाते हैं उन सभी बच्चों को स्कुल तक ले जाया जाय। ईट् भट्टो एवं ठेलो पर काम करने वाले बच्चे स्कुल नही पहुच पाते, बहुत सारे लोग ऐसे भी है जो घूम-घूम कर मजदूरी करते है। सरकार ने स्कुल चलो अभियान कार्यक्रम की शुरूआत ही इसलिए किया है कि उन सभी घरो के बच्चे जो स्कुल तक नही पहुच पाते हैं उन सभी को स्कुल में लाया जाय। जब तक छोटे-छोटे बच्चे स्कुल में आयेगे ही नही तक तक हमारा समाज विकसित नही हो सकता। समाज में विकास पापर्टी व धन से नही बल्कि ज्ञान से आता है। जिसके पास ज्ञान नही है वह पशु के रूप में विचरण करता है। तो आज हम सभी को इस कार्यक्रम के माध्यम से हमे यह संकल्प लेना है कि हमारे गॉव, समाज, आस-पास के बच्चे स्कुल तक नही पहुच पाये है उन्हे स्कुल तक लाना है। उन्होंने कहा कि बिना शिक्षा के न तो गांव विकसित होगा और न ही शहर और देश शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता को भी जोड़ा जाए। उन्होंने बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर द्वारा कही गयीं तीन महत्वपूर्ण बातों से बच्चों को रूबरू कराते हुए कहा कि शिक्षित हो जाओ, स्वच्छ रहो व नशे से दूर रहो। स्कुल चलो कार्यक्रम में स्कुल के बच्चो द्वारा मंनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें कक्षावार प्रथम स्थान प्रप्त करने वाले बच्चो में शिवन्या सिंह, आराध्या सिंह, भार्गवी सिंह, परी सिंह, हर्षिता सिंह, शिम्पी विश्वकार्म, अर्पिता सिंह, कुमार ऑचल तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चो द्वारा कक्षा -1 के अरीका,अंकुश कुमार एवं कुमारी शाल एवं कक्षा-2 की छात्रा रोशनी कुमारी को पुररूकार वितरण भी किया गया। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, विकास खण्ड अधिकारी, एबीएसए, कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षक के साथ बालक एवं बालिका सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

दीवाल के मलबे में दबने से महिला की मौत

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अंतर्गत मझवारा क्षेत्र के दरियाबाद मारूफपुर में अचानक कच्ची दीवाल गिरने से मलवे में दबकर महिला की मौत हो गयी। बता दे कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के दरियाबाद मारूफपुर निवासी उर्मिला देवी सुबह 9 बजे अपने घर के बाहर लगे हैंडपंप पर कपड़ा धो रही थी कि इतने में ही जर्जर हो चुकी कच्ची दीवार अचानक गिर गयी जिसमे उर्मिला देवी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। आनन फानन में परिवारजनों ने प्राथमिक उपचार हेतु जिला अस्पताल ले गए जहां हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सको ने वाराणसी ट्रामा सेंटर हेतु रेफर कर दिया। वाराणसी ले जाते समय उर्मिला देवी की रास्ते मे मौत हो गयी। जिसकी सूचना परिवारजनों ने घोसी कोतवाली को दी। सूचना पर घोसी कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

लिविंगस्टोन के दोहरे प्रदर्शन से जीता पंजाब किंग्स

चेन्नई की हार की हैट्रिक, पंजाब ने 54 रन से हराया

मुंबई। मैन ऑफ द मैच लियाम लिविंगस्टोन (32 गेंदों पर 60 रन, दो विकेट और दो कैच) के दोहरे प्रदर्शन प्रदर्शन पंजाब किंग्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स को रविवार को 54 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की जबकि चेन्नई को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल इतिहास में चेन्नई की इससे ज्यादा खराब शुरुआत पहले कभी नहीं हुई। पंजाब किंग्स ने 20 ओवरों में आठ विकेट पर 180 रन बनाए और चेन्नई को 18 ओवर में 126 रन पर ढेर कर दिया। पंजाब की तीन मैचों में यह दूसरी जीत है। पंजाब की जीत के हीरो रहे लियाम लिविंगस्टोन, जिन्होंने मात्र 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के जड़े और गेंदबाजी में भी अपने हाथ दिखाते हुए 25 रन पर दो विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम शुरुआत में दो विकेट जल्द गंवाने के बाद शिखर धवन 33, लियाम लिविंगस्टोन 60 और जितेश शर्मा 26 की बेहतरीन पारियों से वापसी की और टीम 200 के स्कोर की तरफ बढ़ रही थी लेकिन चेन्नई ने अंतिम पांच ओवरों में मात्र 35 रन दिए और पंजाब को 180 रन पर रोक दिया। लेकिन फिर लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाए। धवन ने 24 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाया जबकि लिविंग्स्टन ने मात्र 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाए। जितेश ने 17 गेंदों पर तीन छक्के जड़े। कैगिसो रबादा ने नाबाद 12 और चाहर ने 12 रन बनाए। चेन्नई की तरफ से क्रिस जॉर्डन और ड्वेन प्रिटोरियस ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई की शुरुआत खराब रही। ऋतुराज गायकवाड मात्र एक रन बनाकर दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कैगिसो रबादा का शिकार बन गए। रोबिन उथप्पा 13 रन, मोईनअली शून्य अंबाती रायुडू 13 रन और कप्तान रवींद्र जडेजा शून्य पर आउट हो गए । चार विकेट पॉवरप्ले में गंवाने के बाद चेन्नई की टीम मुकाबले में नहीं लौट सकी। महेंद्र सिंह धोनी और शिवम दुबे ने छठे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की लेकिन दुबे के टीम के 98 रन के स्कोर पर आउट होने के बाद चेन्नई का संघर्ष समाप्त हो गया। दुबे ने 30 गेंदों पर 57 रन में छह चौके और तीन छक्के लगाए। पूर्व कप्तान धोनी 28 गेंदों में 23 रन बनाए।

लिविंगस्टोन ने लगाया आईपीएल 2022 का सबसे लंबा छक्का

लविंगस्टोन ने आते ही तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुएआईपीएल 2022 का सबसे लंबा छक्का भी लगाया। पारी का 5वां ओवर लेकर आए मुकेश चौधरी की पहली ही गेंद पर लिविंगस्टोन ने मिड विकेट की दिशा में 108 मीटर लंबा छक्का लगाया। यह इस सीजन का अभी तक का सबसे लंबा छक्का है। लिविंगस्टोन यहीं नहीं रुके। इस ओवर में उन्होंने कुल तीन छक्के और दो चौकों की मदद से कुल 26 रन बटोरे।

सर्वाधिक टी20 खेलने वाले दूसरे भारतीय बने महेंद्र सिंह धोनी

खिलाड़ी	मैच
रोहित शर्मा	372
एमएस धोनी	350
सुरेश रैना	336
दिनेश कार्तिक	329
विराट कोहली	328

ऑस्ट्रेलिया सातवीं बार बना आईसीसी महिला विश्व कप चैंपियन

फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को एकतरफा अंदाज में 71 रन से हराया, हीली (170) ने खेली शतकीय पारी

क्राइस्टचर्च। एलिसा हीली (170) के जबरदस्त शतक से ऑस्ट्रेलिया ने महिला क्रिकेट में अपना दबदबा साबित करते हुए पिछले विजेता इंग्लैंड को रविवार को एकतरफा अंदाज में 71 रन से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया सातवीं बार विश्व चैंपियन बना है।

ऑस्ट्रेलिया ने 1978, 1982, 1988, 1997, 2005, 2013, 2022 में यह खिताब जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में पांच विकेट पर 356 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद इंग्लैंड को 43.4 ओवर में 285 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड की तरफ से नताली सीवर ने नाबाद 148 रन की शानदार शतकीय पारी खेली लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों से कोई सहयोग नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अलाना किंग और जेस जोनासन ने तीन-तीन विकेट लिए। एलिसा हीली को प्लेयर ऑफ द मैच के साथ साथ टूर्नामेंट में 509 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का भी पुरस्कार दिया गया। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उन्होंने 38 रन के भीतर ही अपने सलामी बल्लेबाजों को गंवा दिया। दोनों को मेगन शूट ने पवेलियन भेजा। बीच में कप्तान हेदर नाइट ने कुछ संघर्ष दिखाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी अलाना किंग ने 26 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। दूसरे छोर से इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे, लेकिन शिवर ने एक छोर संभाले रखा और 15 चौके और एक छक्के की मदद से 121 गेंदों में 148 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने रन रेट को भी बनाए रखा, लेकिन एक छोर से विकेट गिरते रहने के कारण लक्ष्य लगभग असंभव सा था। बीच में हीली की सोफिया डंकली (22) के साथ 50 रन की साझेदारी हुई। लेकिन किंग ने डंकली को एक बेहतरीन लेग स्पिन से बोल्ड आउट कर इस साझेदारी का अंत कर दिया। इसके बाद किंग ने कैथरीन ब्रंट को आउट कर अपनी तीसरी सफलता हासिल की। इसके बाद मैच में महज़ औपचारिकता ही बची थी। जेस जॉनासन ने अंतिम में दो विकेट चटकाकर इस औपचारिकता को पूरा किया। इंग्लैंड की टीम पांचवीं बार विश्व विजेता बनने से रह गई।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया महिला पारी	रन	गेंद	4/6
एलिसा हीली कै. जोंस बो. श्रबसोल	170	138	26/0
हेन्स कै. बोमॉन्ट बो. एकलस्टन	68	93	7/0
बेथ मूनी कै. सीवर बो. श्रबसोल	62	47	8/0
ऐश्ली गार्डनर रन आउट	01	02	0/0
मेग लैनिंग कै. बोमॉन्ट बो. श्रबसोल	10	05	2/0
ताहलिया मैकग्राथ नाबाद	08	05	1/0
एलिसे पेरी नाबाद	17	10	2/0

अतिरिक्त: 20, कुल: 50 ओवर में पांच विकेट पर 356 रन **विकेट पतन:** 1-160, 2-316, 3-318, 4-331, 5-331, **गेंदबाजी:** कैथरीन ब्रंट 10-0-69-0, श्रबसोल 10-0-46-3, नताली सीवर 8-0-65-0, शार्लेट डीन 4-0-34-0, एकलस्टन 10-0-71-1, क्रॉस 8-0-65-0,

इंग्लैंड महिला पारी	रन	गेंद	4/6
टैमी बोमॉन्ट पगबाधा शूट	27	26	5/0
डैनी वायट बो. शूट	04	05	1/0
हेदर नाइट पगबाधा किंग	26	25	4/0
नताली सीवर नाबाद	148	121	15/1
जोंस कै. किंग बो. जॉनसन	20	18	2/0
सोफिया डकली बो. किंग	22	22	1/0
कैथरीन ब्रंट कै. हीली बो. किंग	01	04	0/0
सोफी एगबाघा मैकग्राथ	03	10	0/0
क्रॉस कै. एवं बो. जॉनसन	02	03	0/0
डीन कै. जॉनसन बो. गार्डनर	21	24	1/0
श्रबसोल कै. गार्डनर बो. जॉनसन	01	04	0/0

अतिरिक्त: 10, कुल: 43.4 ओवर में 285 रन पर ऑलआलट **विकेट पतन:** 1-12, 2-38, 3-86, 4-129, 5-179, 6-191, 7-206, 8-213, 9-278, 10-285 **गेंदबाजी:** मेगन शूट 8-0-42-2, डार्सी 7-0-57-0, किंग 10-0-64-3,मैकग्राथ 8-0-46-1, जेंनासन 8.4-0-57-3, गार्डनर 2-0-15-1,

फाइनल मैच में बने कई रिकॉर्ड

- ऑस्ट्रेलिया की एलिसा विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ी पारी (170 रन) खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने हमवतन पूर्व खिलाड़ी एडम गिलक्रिस्ट (149 रन) का रिकॉर्ड तोड़ा है।
- महिला विश्व कप के एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में एलिसा हीली (509 रन) ने हमवतन रेचल हायेन्स का रिकॉर्ड तोड़ा है। एलिसा हीली एक महिला विश्व कप में 500 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।
- रेचल हेन्स –एलिसा ने पहले विकेट के लिए 160 रन जोड़े। यह किसी भी विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ी साझेदारी थी। एलिसा सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने विश्व कप फाइनल में शतक लगाया है।
- नताली सीवर ने (148 रन) विश्व कप फाइनल की तीसरी सबसे बड़ी और लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी पारी 148 खेली। इस मैच में पहले यह रिकॉर्ड एडम गिलक्रिस्ट के नाम था।
- नताली सीवर ने (148 रन) विश्व कप फाइनल की तीसरी सबसे बड़ी और लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी पारी 148 खेली। इस मैच में पहले यह रिकॉर्ड एडम गिलक्रिस्ट के नाम था।

ऑस्ट्रेलिया को मिले करीब 10 करोड़ रुपए

महिला विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की टीम को पुरस्कार राशि के रूप में करीब 10 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट के लिए विजेता टीम की पुरुस्कार राशि दोगुनी कर दी गई थी। उपविजेता इंग्लैंड को लगभग 4.5 करोड़ रुपए व ग्रुप स्टेज से बाहर होने वाली टीम भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड प्रत्येक को लगभग 53- 53 लाख रुपए मिले।

ऑस्ट्रेलिया ने बनाया महिला विश्व कप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर

पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने रिकॉर्ड 356 रन बनाए थे। यह महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर था। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार शुरुआत की। एलिसा हीली और रेचल हेंस ने पहले विकेट के लिए 160 रन जोड़े। यह विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ी साझेदारी थी। इसके बाद हीली ने मूनी के साथ 156 रन की साझेदारी की। हीली ने रिकॉर्ड 170 रन बनाए। वहीं हेंस ने 68 और मूनी ने 62 रन की पारी खेली। अंत में पेरी ने 17 रन बनाकर अपनी टीम का स्कोर निर्धारित 50 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 356 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए श्रबसोल ने तीन विकेट झटके। वहीं एक्लेस्टन को एक विकेट मिला।

भारत की जूनियर महिला विश्व कप के क्वॉर्टर फाइनल में जगह पक्की

पोचेफ्स्ट्रूम। भारतीय जूनियर महिला टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने दूसरे पूल डी मैच में जर्मनी को रविवार को 2-1 से पराजित कर जूनियर महिला विश्व कप के क्वॉर्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

भारत ने अपने पहले मैच में वेल्स को 5-1 से रौंदा था। जर्मनी के खिलाफ मुकाबले में गोलकीपर बीचु देवी खरीबम का प्रदर्शन शानदार रहा जबकि लालरेंसियामि (दूसरे मिनट) और मुमताज खान (25वें मिनट) ने भारत की जीत में एक-एक गोल दागा। जर्मनी ने अपने पहले मैच में मलेशिया को 10-0 से हराया था लेकिन इस मुकाबले में उसके बनाये मौकों को भारतीय गोलकीपर ने रोक लिया। बीचु देवी ने जर्मनी को 22वें मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर भी गोल करने से रोका था। जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल जूल ब्लेयूल ने 57वें मिनट में किया। भारतीय टीम आठ अप्रैल से शुरू होने वाले क्वॉर्टर फाइनल चरण से पहले पांच अप्रैल को मलेशिया के खिलाफ पूल चरण के आखिरी मुकाबले में भिड़ेगी। भारतीय टीम इस समय पूल डी में दो मैचों में दो जीत के साथ शीर्ष पर है जबकि जर्मनी की टीम इस तालिका में दूसरे स्थान पर है। हर पूल से दो-दो टीमें क्वॉर्टर फाइनल के लिए क्वॉलीफाई करेगी। जर्मनी के खिलाफ भारतीय टीम को दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कार्नर मिला। दीपिका की ड्रैग फ्लिक को जर्मनी की गोलकीपर माली विचमैन ने बचा लिया लेकिन लालरेम्सियामी ने रिबाउंड पर गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने भारतीय रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाकर कई पेनल्टी कार्नर हासिल किये लेकिन वे गोलकीपर बीचू देवी करिबाम की मुस्तैदी को नहीं भेद पाए।

जर्मनी को 2-1 से शिकस्त दी

फिंच को खराब फॉर्म से वापसी की पूरी उम्मीद

लाहौर। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने माना है कि उनका हालिया फॉर्म निराशाजनक है, लेकिन 35 की उम्र के बावजूद वह वापसी कर सकते हैं। शनिवार को लाहौर में फिंच लगातार दूसरी पारी में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे और ऐसा उनके अंतर्राष्ट्रीय करियर में पहली बार हुआ है। उनके आउट होने से कुछ घंटों बाद ऑस्ट्रेलिया को वनडे सीरीज में नौ विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा और जाहिर सी बात थी कि कप्तान के निजी फॉर्म पर सवाल उठाए गए। फिंच ने 2022 में अपनी पिछली आठ अंतर्राष्ट्रीय पारियों में केवल 101 रन बनाए हैं। इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैंने श्रीलंका के विरुद्ध सीरीज और यहां पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। उम्र के साथ आप अपने काबिलियत पर भी शक करने लगते हैं। मुझे लगता है इस दौरान मेरा अभ्यास बड़ा ही सकारात्मक रहा है। बस मैच में शुरुआती गेंदों में मेरे पैड बीच में आ रहे हैं।

लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ाया बांग्लादेश

डरबन। बांग्लादेश की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिले 274 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन लड़खड़ा गयी और उसने स्टंप्स तक अपने तीन विकेट मात्र 11 रन पर गंवा दिए। बांग्लादेश को अभी 263 रन की जरूरत है।

बांग्लादेश ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी में 204 रन पर समेट दिया लेकिन फिर उसने अपने तीन विकेट गंवा दिए। केशव महराज ने दो और साइमन हार्पर ने एक विकेट लिया। इससे पहले मेहदी हसन और इबादत हुसैन ने तीन- तीन विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को 204 रन पर निपटा दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने दिन की शुरुआत दूसरी पारी में बिना नुकसान के छह रने की थी। इबादत हुसैन ने सारेल एरवी (आठ रन) को पवेलियन भेज टीम को पहली सफलता दिलाई लेकिन इसके बाद कप्तान डीन एल्गर और कीगन पीटरसन (36) ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए लंच तक टीम का स्कोर एक विकेट पर 105 रन कर दिया। टीम ने दिन के पहले सत्र में 99 रन बनाये और सिर्फ एक विकेट गंवाया।बांग्लादेश के गेंदबाजों ने दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट चटकाये। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद में एल्गर की 64 रन की पारी को खत्म कर दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी को तोड़ा।

बांग्लादेश ने स्टंप्स तक मात्र 11 रन पर गंवाए तीन विकेट

कीनिया की जेपटम ने पेरिस मैराथन में महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ा

पेरिस। कीनिया की ज्यूदिथ जेपटम ने रविवार को यहां पेरिस मैराथन में रिकॉर्ड तोड़ा जबकि इथियोपिया के देसो जेलमिसा ने पुरूष रेस जीती। जेपटम ने दो डिग्री सेल्सियस के ठंडे हालात में 42.2 किलोमीर (26.2 मील) की रेस दो घंटे 19 मिनट और 48 सेकेंड में पूरी की और अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने साथ ही कीनिया की पुरिटो रियोनोरिपो का 2017 में बनाए गऐ कोर्स रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा जो दो घंटे 20 मिनट 55 सेकेंड का था। इथियोपिया की फांतू जिम्मा दूसरे और जेपटम की हमवतन बेसू साडो तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की मैराथन में जेलमिसा ने हमवतन और 2021 शिकागो मैराथन के विजेता सेफू टूरा को पीछे छोड़ते हुए दो घंटे पांच मिनट और सात सेकेंड में रेस पूरी की। फ्रांस के मोरहाद अमदोनी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

लवनीत सिसोदिया की जगह बेंगलुरु से जुड़े रजत पाटीदार

मुंबई। रजत पाटीदार आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम से चोटिल लवनीत सिसोदिया की जगह जुड़ गए हैं। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले पाटीदार ने 31 टी20 मैच खेले हैं और सात अर्द्धशतकों की मदद से 861 रन बनाये हैं। पाटीदार 20 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ बेंगलुरु टीम से जुड़ेंगे। बेंगलुरु का अगला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच अप्रैल को होगा।

मनप्रीत और हरमनप्रीत के दो-दो गोल से जीता भारत

हॉकी प्रो लीग में इंग्लैंड को 4-3 से हराया

भुवनेश्वर। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कप्तान मनप्रीत सिंह और शीर्ष ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के दो दो गोल की मदद से भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने रविवार को यहां एफआईएच प्रो लीग के डबल हेडर मुकाबले के दूसरे मैच में इंग्लैंड पर 4-3 से जीत दर्ज की।

मनप्रीत (15वें और 26वें मिनट) और हरमनप्रीत (26वें और 43वें मिनट) ने दो दो गोल कर भारत को तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त बढ़ाने में मदद की। इंग्लैंड के लिये लियाम सैनफोर्ड (सातवें), डेविड कोंडन (39वें) और सैम वार्ड (44वें मिनट) ने गोल दागे। मैच के दौरान इंग्लैंड का गेंद पर दबदबा ज्यादा रहा लेकिन जीत की हकदार भारतीय टीम बनी। भारत ने मैच में आठ पेनल्टी कॉर्नर में से चार को गोल में बदला जबकि इंग्लैंड ने छह शार्ट कॉर्नर में से तीन पर गोल किए। गेंद से कम दबदबे के बावजूद भारत का सर्कल के अंदर दबदबा अधिक रहा। मेजबान टीम ने इंग्लैंड के सर्कल में 24 बार सेंध लगायी जबकि प्रतिद्वंद्वी टीम ऐसा 17 बार ही कर पायी। गोल पर शॉट लगाने के मामले में भारतीय टीम बेहतर रही जिसमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी गोल में 10 बार निशाना लगाया जबकि इंग्लैंड ने घरेलू टीम के गोल में केवल पांच शॉट लगाए। शुरूआती गोल गंवाने के बाद भारत ने जल्द ही वापसी की और मनप्रीत के जरिये पहले क्वार्टर के अंत में बराबरी हासिल की। हरप्रीत और मनप्रीत ने फिर 26वें मिनट में लगातार गोल कर टीम को 3-1 से आगे कर दिया। इंग्लैंड ने 39वें मिनट में कोंडन के पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने से अंतर कम किया।

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े डेविड वॉर्नर

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर शनिवार को मुंबई में अपने टीम दिल्ली कैपिटल्स के होटल पहुंच गए। वार्नर तीन दिनों तक होटल के अपने कमरे में अनिवार्य क्वारंटाइन में रहेंगे। वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे का हिस्सा थे, जहां से वह अब भारत पहुंच गए हैं और जल्द ही टीम के लिए मैच खेलते हुए नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डेविड वॉर्नर दिली कैपिटल्स के लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलते हुए दिखाई देंगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2022 में पहला मैच काफी अच्छा रहा है। टीम ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर टूर्नामेंट में जीत से आगाज किया था।

स्वीयातेक ने जीता मियामी ओपन का खिताब

ओसाका को 6-4, 6-0 से हराकर लगातार तीसरा खिताब जीता

फ्लोरिडा। पोलैंड की इगा स्वीयातेक ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने के बाद से अपना जबरदस्त प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान की नाओमी ओसाका को 6-4, 6-0 से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। सोमवार को जारी होने वाली आधिकारिक रैंकिंग में नंबर वन बनाने जा रही स्वीयातेक ने अब लगातार 17 गेम जीत लिए हैं और इस दौरान उन्होंने कतर ओपन और इंडियन वेल्स के खिताब जीते हैं। मियामी ओपन उनका लगातार तीसरा खिताब है।

पोलैंड की स्वियातेक ने पहले सेट में ओसाका की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त बनायी तथा 52 मिनट में यह सेट अपने नाम किया। ओसाका ने पहले सेट में चुनौती पेश की लेकिन दूसरा सेट पूरी तरह से भिन्न था जिसमें स्वियातेक का दबदबा रहा। उन्होंने लगातार नौवें मैच में सीधे सेटों में जीत दर्ज की।स्विएटेक ने कहा, मैं वास्तव में अच्छा महसूस कर रही हूं और खुद पर गर्व महसूस भी कर रही हूं। मुझे लगता है कि मुझे जश्न मनाना चाहिए, क्योंकि मुझे नहीं पता कि यह खिताब कब तक मेरे नाम रह सकता है। पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन भी एक ही सीजन में डब्ल्यूटीए 1000 इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल खिताब जीतने वाली चौथी महिला बनकर एक विशेष क्लब में शामिल हो गई। इगा स्विएटेक जर्मनी की स्टेफी ग्राफ (1994 और 1996), बेल्जियम के किम क्लिजस्टर्स (2005) और बेलारूसी विक्टोरिया अजारेंका (2016) जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गई हैं। 20 वर्षीय स्विएटेक यह कारनामा करने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन गई हैं।

पावरप्ले में काफी विकेट गंवा दिये, अब मजबूत वापसी करनी होगी : जडेजा

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रविंद्र जडेजा ने रविवार को यहां इंडियन सुपर लीग मैच में पंजाब किंग्स से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम को मजबूत वापसी करनी होगी। लियाम लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन से पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराया। यह सीएसके की लगातार तीसरी पराजय थी। सीएसके के कप्तान रविंद्र जडेजा ने 54 रन से मिली हार के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने पावरप्ले में काफी विकेट गंवा दिये थे और हम लय हासिल नहीं कर सके। हमें मजबूत वापसी करनी होगी। पिछले चरण के सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले रूतुराज गायकवाड़ अभी तक बल्लेबाजी में योगदान नहीं कर पाये हैं, इस पर जडेजा ने कहा, हमें गायकवाड़ का मनोबल बढ़ाना होगा, हम सभी जानते हैं कि वह काफी अच्छा खिलाड़ी है। मुझे भरोसा है कि वह अच्छा करेगा। शिवम दूबे ने फिर अर्धशतकीय पारी खेली लेकिन टीम को जीत के करीब नहीं पहुंचा सके। जडेजा ने कहा, दूबे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है और मुझे लगता है कि उसे सकारात्मक रखना अहम होगा। हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर मजबूत वापसी करने की कोशिश करेंगे। पंजाब किंग्स के कप्तान मयंक अग्रवाल ने कहा, हमें लगा कि स्कोर में पांच-सात रन कम रह गये थे, हालांकि 180 रन का पीछा करना आसान नहीं था। हमने नयी गेंद से जैसी गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। लियाम लिविंगस्टोन ने 60 रन की पारी खेलने के बाद गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाये जिससे वह मैन आफ द मैच बने। अग्रवाल ने कहा, मैंने लिविंगस्टोन को कुछ नहीं कहा। जब वह बल्लेबाजी करता है तो हर कोई देखता रहता है। वैभव अरोड़ा ने भी जितेश शर्मा की तरह अच्छा पदार्पण किया और दो विकेट झटके। अग्रवाल ने कहा, वह हमारे साथ दो साल है, हमने उसकी प्रतिभा देखी।

नुक्कड़ नाटक संदेश के मंचन के उपरांत नव संवत्सर बनारसी हास्य ठहाका में श्रोता हुए लोटपोट

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अस्सी घाट पर नवसंवत्सर मिलन अंतर्गत नाट्य रंग कर्मियों एवं प्रख्यात हास्य-व्यंग्य ठहाका गुरुओं द्वारा बनारसी हास्य ठहाका का आयोजन अस्मिता नाट्य

संस्थान के संस्थापक/ महासचिव विजय कुमार गुप्ता के निर्देशन में,महाकवि डॉ.अजीत श्रीवास्तव चपाचप बनारसी के अध्यक्षता एवं कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक के संचालन में संपन्न हुआ` नाट्य रंग कर्मियों में संजय शर्मा,शोमित सिंह, रविशंकर, प्रमोद अग्रहरि,नीलम सिंह सहित अनेकों नाट्य रंगकर्मियों का सम्मान डॉ.सुबाष चंद्र, राजश्री फिल्म प्रोडक्शन की निदेशिका ,फिल्म ऐक्टर राजश्री वर्मा, वूमेन स्प्रिट क्रिएशन सोसाइटी की अध्यक्ष सोनी जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया। प्रमुख रूप से कृषि श्रृषि श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी लौकी बाबा एवं सूर्य प्रकाश सिंह के गरिमामयी उपस्थिति में नवसंवत्सर बनारसी हास्य ठहाका की शुरूआत ठहाका गुरु कवि नरेंद्र नाथ दुबे अडिग एडवोकेट की रचना- सनातन हिन्दी नवसंवत्सर को मैं हर जन-जन की शान समझता हूं, इसलिए इसका करना उचित सम्मान समझता हूं- हा...हां...हां.. डॉ.अजीत श्रीवास्तव चपाचप बनारसी ने- लाल टमाटर देहरादून,काट राजा दूननू जून` इंद्रजीत तिवारी निर्भीक ने मंहगाई है तेज ,ना करिए दिल को छोटा, खर्च ना करिए नोट, ना करिए दिल को छोटा, सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध ने नव नगद ना तेरह उधार चाहिए` चिंतित बनारसी ने नव संवत्सर को हम सब दिल से मनायें,राग द्वेष छोड़ इक दूजे को गले लगायें, झरना मुखर्जी ने- सपनों में बिखरना नहीं, जुड़ना है जिंदगी, पुरूषार्थ से तकदीर बदलना है जिंदगी, डॉ. प्रियंका तिवारी ने- नव संवत्सर सीख देता है हमें, सदाचार और शाकाहार का, हिन्दी और हिंदुस्तान पर ही नहीं,सबके प्रति प्रेम-परस्पर और सार्थक संस्कार का, डॉ. सुभाषचन्द्र ने फूलों सा इक दूजे के मन को हम सब खिल- खिलायें, खुले मन मिजाज से, आचार, विचार, संस्कार को भी ध्यान में रखकर,हम- सब,नव संवत्सर मनायें,भजन गायक गोपालजी त्रिपाठी ने- नवसंवत्सर चैत्र नवरात्र जब आवेला, धर्म, सत्कर्म क ऐहसास करावेला, दीन, दुखियन से लेके,राजा, महाराज तक, सबके धर्म-कर्म, पूजा-पाठ ,दान देवेके भाव जगावेला। कवियों का सम्मान केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. कमलाकांत उपाध्याय, सरोजिनी महापात्रा, डॉ.भारती मिश्रा, शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद आभार साहित्यिक संस्था नादान परिंदे के अध्यक्ष डॉ.सुबाष चंद्र एवं रमेश चंद्र पांडेय ने किया।

स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान छात्राओं ने दिखाई रुचि

प्रखर प्रयागराज। स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा विगत दो वर्षों से प्रयागराज में वंचित बच्चों को निशुल्क शिक्षा देने का कार्य किया जा रहा हैं। जिसके अंतर्गत

लगभग तीन सौ बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा वर्तमान में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत बड़ा बघाड़ा संस्था पर प्रोफेसर डॉ अविनाश पांडे द्वारा नए सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई गई। इस अभियान की शुरूआत 23 मार्च को ईश्वर शरण कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह सर द्वारा नए सदस्यों को सदस्यता दिलाकर शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत अब तक अवंतिका, रसिका, मधु, स्वेता, निष्ठा, मुस्कान,रानी, प्रज्ञा कुमारी, संध्या , दिवाकर,महेंद्र, सूर्य प्रताप, दिव्यांश, सुधांशु, रंजीत, आरती,अंजली आदि लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने सदस्यता ग्रहण किया।

जनसमस्याओं को लेकर सपा बिफरी

छह सूत्रीय ज्ञापन सौपकर डीएम से निराकरण की मॉग, रमजान को देखते हुए पानी व साफ सफाई की हो व्यवस्था: देवी प्रसाद चौधरी

प्रखर मीरजापुर। जन समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने सोमवार को नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। भाजपा सरकार की नीतियों की निंदा करते हुए विरोध जताया। रमजान पर पानी, बिजली व किसानों व अन्य की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर निराकरण की मांग की। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता जिला कार्यालय पर एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि रमजान को देखते हुए हर क्षेत्रों में प्याउ व पानी, साफ सफाई की व्यवस्था की जाय, उन्होने कहा कि जिले में किसी भी सरकारी धान क्रय केंद्रों पर किसानों की धान क्रय की गई है उसका भुगतान जल्द से जल्द से कराया जाय। लगे हाथ उन्होने ग्रामीण क्षेत्रो में खराब हैण्डपम्प को मरम्मत करने व प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी तरीके से ली जा रही फीस को रोकने के लिए सबरी चैराहे से पुतलीघर तक सड़क की मरम्मत करने की मॉग उठाई। इस मौके पर नागेन्द्र तिवारी, दुर्गा सिंह, रामजी यादव, अयूब अली, सलीम बादशाह, संजय यादव, जहांआरा, अंकुंर सिंह, समीम सिद्दीकी, बलराम यादव, आशुतोष मिश्रा, घनश्याम साहू, राजपति सरोज, श्याम सुन्दर सोनकर, इलियास खां, धर्मेन्द्र मौर्या, संतोष यादव, अशोक यादव, श्याम मोहन यादव, सत्यप्रकाश यादव, मण्डेला यादव, शराफत उल्ला खां, रमाशंकर कोल, दीपक दूबे, रिजवान अहमद, विनोद यादव, हरि प्रधान आदि मौजूद रहें।

गैंगस्टर में निरुद्ध आरोपितों के खिलाफ होगी कुर्की

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना में धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट में वांछित दो अपराधियों के विरुद्ध पुलिस कुर्की की तैयारी के साथ ही सूचना देने वाले को इनाम की घोषणा की है। गैंगस्टर के मामले में निरुद्ध आरोपित लल्लन राम पुत्र लालमोहन राम निवासी रिविलगंज, थाना रिविलगंज, जिला सारंग (छपरा) बिहार , हालपता नेवादा थाना टाऊन (आरा) जिला भोजपुर बिहार तथा सत्यनारायण पुत्र मुक्तेश्वर निवासी मठिया नगर थाना टाऊन जिला बक्सर बिहार के मामले के न्यायालय से 6 सितंबर 2021 को धारा 82 सीआरपीसी के तहत दोनों शातिर अभियुक्तों के घर मुनादी करायी गयी गई थी । जिसके बाद दोनों अभियुक्त अभी तक फरार हैं। पुलिस आरोपितों के यहां अब कुर्की करेगी।

चमेली देवी मेमोरियल बैडमिंटन प्रतियोगिता समापन में खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया गया

प्रखर रामनगर वाराणसी। चमेली देवी मेमोरियल बैडमिंटन प्रतियोगिता के समापन समारोह में अतिथि माननीय विधायक सौरव श्रीवास्तव एवं डीसीपी काशी आर एस गौतम के कर कमलों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कार प्रदान किया गया। समापन समारोह में खचाखच भरे इंडोर ग्राउंड में दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया।आए हुए अतिथियों का अध्यक्ष श्याम केशरी एवं समस्त केशरी परिवार ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। चार दिवसीय बैडमिंटन टूनार्मेंट का सफल संचालन श्रीमती सीमा केशरी एवं कुलदीप सिंह ने किया। काशी से आए महान विभूतियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया श्री

रामेश्वर प्रसाद केशरी जी ने मुख्य अतिथि श्री सौरव श्रीवास्तव एवं डीसीपी आर एस गौतम जी को स्मृति चिन्ह आशीर्वाद स्वरूप दिया।मुख्य रुप से डॉक्टर सुशील मिश्रा, आलोक अरोड़ा, पंडित विजय प्रकाश मिश्र, श्रीकांत गुप्ता ,निधि केशरी, उत्कर्ष केशरी,उद्धव केशरी, स्नेहलता ,विष्णु यादव,सुधा गुप्ता ,डॉ मंजीत चतुर्वेदी ,डॉ राजीव मलिक, वंदना केशरी, भारती गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। जूनियर सिंगल आदित्य मुजफ्फरपुर ने ओम सोलंकी चंदौली को हराया। संपूर्ण प्रतियोगिता संतोष जयस्वाल जी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव का हुआ नागरिक अभिनंदन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कमार्जीतपुर -नेवादा, सुन्दरपुर स्थित अंजनीपुरम विकास समिति द्वारा चैत्र नवरात्र पर होली मिलन व देवी जागरण का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट क्षेत्र के विधायक सौरभ श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि समाजसेवी हरिशंकर सिंह व अध्यक्षता शिक्षाविद राजेश कुमार पाठक ने किया। इससे पहले अतिथियों द्वारा भगवान गणेश जी व माँ दुर्गा के चित्र पर माल्यार्पण कर भजन संध्या की शुरूआत की गई। देवी जागरण में सुप्रसिद्ध भजन गायक अमलेश शुक्ला व गायिका आस्था शुक्ला ने ने अपने चिरपरिचित अंदाज में एक से बढ़कर एक भजनों से मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि सौरभ श्रीवास्तव का नागरिक अभिनंदन समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार पाठक ने स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम व बुके देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने स्वागत संबोधन में विकास समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार पाठक ने कहा कि विधायक द्वारा किये गए सामाजिक कार्य से क्षेत्र की जनता में उत्साह हैं और उम्मीद करते हैं कि आगे भी विकास होते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन सनद मिश्रा ' योगाचार्य' तथा अन्त में धन्यवाद ज्ञापन आर.बी. उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदीप मिश्रा, मनोज भारतीय, आर.एन. सिंह, बी.एन. तिवारी, अरविंद तिवारी मौजूद रहे।

8 वर्षीय बालक असलाफ अंसारी ने माहे रमजान की पहला रोजा किया मुकम्मल

प्रखर मिजार्पुर। अहरौरा इमिलिया चट्टी क्षेत्र के महबुबनगर मौजा खुटहा निवासी असलाफ अंसारी पुत्र आबिद अंसारी अपने आठ वर्ष की उम्र में तपती धूप भूख प्यास सभी को छोड़ कर इस तपती धूप के गर्मी में माहे रमजान की पहला रोजा रखकर पुरा मुकम्मल किया,यह महीना माहे रमजान की बरकतो वाली महीना है मुस्लिम समाज के लोग का पवित्र महीना माना जाता है, लोग रोजा रखते हैं कुरान की तिलावत करते है और नामाज आदा करते हैं,इस माह में जो भी दुआ मांगते हैं पुरा होता है ,वही माहे रमजान की पहला रोजा सहरी की 4:33 से व अपतारी(रोजा खोलने का समय)सायं 6:26 पर रहा ,यह रोजा लगभग 14 घंटे का रहा,वही रोजे रखे जाने पर दादा मो0मुसा अंसारी चाचा एस अंसारी,नसरूद्दीन,मोहम्मद्दीन,अ ब्दुल कलाम अंसारी,के साथ साथ घर वालो और लोगो के मुबारक दिये।

7 दिनों से भूखे पेट लौट रहे नौनिहाल, नहीं बन रहा एमडीएम

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। पिछले सात दिन से स्कूल में पढ़ने वाले नौनिहाल भूखे पेट लौट रहे हैं। एक ओर जहां कोटेदार राशन नहीं दे रहे हैं वहीं प्रधान द्वारा इस मामले को लेकर अधिकारियों के यहाँ चक्कर लगा रहा है है। कोटेदार और शिक्षा विभाग की लापरवाही से बेहड़ा ग्राम सभा के 9 प्राथमिक और जुनियर विद्यालयों में पढ़ने वाले 550 से ज्यादा बच्चों को मिड डे मील का लाभ मिलना बंद हो गया है। विकास खंड केराकत की ग्राम पंचायत बेहड़ा में स्थित कुल 9 कम्पोजिट व प्राथमिक विद्यालय में 550 से ज्यादा बच्चे कक्षा एक से लेकर आठ तक पढ़ने आते हैं लेकिन पिछले 7 दिनों से इनको एक बार भी मध्याह्न भोजन नहीं दिया गया है। बेहड़ा ग्राम सभा के प्रधान पति राममूरत कन्नौजिया का आरोप है ग्राम सभा का कोटेदार राजीव सिंह बच्चो को एमडीएम उपयोग किये जाना वाला राशन पुरा नही देता है। पिछले एक साल से 70 कुण्टल से ज्यादा राशन 9 विधालयों मे लगा है पर कोटेदार द्वारा मात्र 30 कुंटल राशन दिया गया। इस माह पुरा राशन मांगने पर पुरी तरह राशन बंद कर दिया गया। जिससे सभी स्कूलो पर खाना नही बन पा रहा है। बताया कि इसकी शिकायत एसडीएम और एबीएसए से किया हुं, फिर भी एक सप्ताह बीत जाने घर बाद कोई कार्यवाई नही हुई, और अधिकारियों से शिकायत करने पर कोटेदार द्वारा जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। विद्यालय पर एमडीएम ना बनने की सूचना सभी प्रधानाध्यापकों द्वारा बीईओ को लिखित में दे दी गई है। इस संबंध पढ़ने केराकत बीईओ राजेश यादव का कहना है कि मामला सज्ञान मे है प्रधानाध्यापको द्वारा सूचना दी है इसमे कोटेदार से बात करके समस्या का समाधान किया जायेगा। इस मामले मे केराकत एसडीएम राजेश चौरसिया का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है, जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक मामले में पत्रकारों की गिरफ्तारी से जिले के पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बलिया जिलाप्रशासन द्वारा यूपी बोर्ड परीक्षा में पेपर लीक मामले में बलिया के

तीन पत्रकारों की गिरफ्तारी को लेकर जिले के पत्रकारों में काफी आक्रोश व्याप्त है। सोमवार को इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन गाजीपुर की तरफ से पत्रकारों ने काली पट्टी बांधकर राज्यपाल के नाम उपजिलाधिकारी अनिरुद्ध सिंह को पत्रक सौपा। पत्रक मे मांग की गई कि बोर्ड परीक्षा में पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए वरिष्ठ पत्रकार दिग्विजय सिंह, अजीत ओझा एंव मनोज गुप्ता की जल्द से जल्द पुलिस प्रशासन रिहाई करे, अन्यथा पूरे प्रदेश में पत्रकारों द्वारा जबरदस्त तरीके से विरोध दर्ज किया जाएगा। इस दौरान एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि बलिया प्रशासन द्वारा पत्रकारों की गिरफ्तारी निंदनीय और घृणित है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाय वो कम है। प्रदेश सरकार देश के चौथे स्तंभ को भी नही बक्श रही है। प्रशासन नकलमाफिया की शह पर गलतियों को छिपाने के लिए पत्रकारों को ही गुनहगार मान जेल में डाल दिया, जबकि तीनो पत्रकार सरासर निर्दोष है। अगर जिलाप्रशासन पत्रकारों की रिहाई जल्द से जल्द से नही करता है तो पत्रकार सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। इस दौरान पत्रकारों ने बलिया प्रशासन के खिलाफ मुदार्बाद के नारे भी लगाए। मौके पर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, प्रभाकर सिंह, काशी नाथ सिंह, अभिषेक सिंह, सुशील तिवारी, अंजनी राय, इकरार खान, आशिफ अंसारी, कृष्ण कुमार मिश्रा, जयप्रकाश, अमित कुमार गुप्ता, विपिन आदि पत्रकार मौजूद रहे।

गर्भवती व जन्मे बच्चों का पुष्टाहार ना मिलने की शिकायत लेकर पहुंचे विकास खंड कार्यालय लाभार्थी

प्रखर जौनपुर। मुफ्तीगंज विकासखंड के अंतर्गत उदियासन मुफ्तीगंज बाजार के लाभार्थी पुष्टाहार पिछले 3 महीने से न पाने की शिकायत को लेकर विकासखंड कार्यालय पहुंचे लाभार्थियों का शिकायत था कि उनको पुष्टाहार नहीं मिलता है और समूह कार्यकरती के द्वारा पुष्टाहार का हेरा फेरी की जाती है कार्यालय पत्रक लेकर पहुंचे लाभार्थियों की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए विकास खंड अधिकारी रामकृपाल द्विवेदी मौके पर सीडीपीओ अन्नपूर्णा राय को बुलाकर 3 दिन के अंदर जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया` शिकायत लेकर जाने वालों में रतनदीप जायसवाल आकाश गुप्ता विशाल गुप्ता मंगल अग्रहरि नारायण मोदनवाल तमाम लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

होली के दिन हुई युवक की हत्या के आरोपियों को अभी तक नहीं गिरफ्तार कर पाई गंभीरपुर पुलिस, पीड़ित लगा रहे हैं थाने का चक्कर

प्रखर गंभीरपुर आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के पंदहा गांव निवासी विकलांग राम भवन यादव पुत्र पत्तू यादव की लाश 18 मार्च 2022 को लगभग 2:00 बजे होली के दिन बहादुरपुर गांव के रघुबाबा के बगल पोखरे में मिली थी। सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस ने शव का पंचनामा बनवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। परिजनों के काफी मशक्कत के बाद 30 अप्रैल को गंभीरपुर पुलिस ने मृतक के बड़े भाई त्रिभुवन यादव की तहरीर पर गांव के ही मुरारी पुत्र रामनाथ वह सतीश पुत्र चंद्रेश निवासी पंदहा थाना गंभीरपुर के खिलाफ 302 का मुकदमा पंजीकृत किया। 2 सप्ताह से ऊपर बीत जाने के बाद भी अभी तक किसी भी आरोपी की गंभीरपुर पुलिस गिरफ्तारी नहीं कर पाई है। जिससे परिजनों में काफी आक्रोश है।

अब ग्राम पंचायतों में कूड़ा यार्ड बनाये जाने की जरूरत

प्रखर मिजार्पुर। जमालपुर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में घरों के चुल्हो से निकलने वाली राख गांव वालों के लिए बहुत बड़ी समस्या बन गया है।ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों परिवारों को मुफ्त में गैस कनेक्शन बांटा गया है, लेकिन महंगाई के चलते ज्यादातर घरों में चुल्हों पर लकड़ी उपले से ही खाना बनाया जा रहा है और उसी चुल्हों से निकलने वाली राख आज गांवों में लोगों के लिए मुसीबतबना हुआ है।गांवों में कोई उचित,चिन्हित जगह नहीं होने के कारण लोग सार्वजनिक जगहों जैसे तालाबों, नहरों, नदियों, नालियों सड़कों आदि जगहों पर राख और कूड़े को फेंक देते है, जिस कारण से ज्यादातर तालाब पटते जा रहें हैं तथा गांवों के पास से गुजरने वाली नहरें,नालियां राख और कूड़े-कचरे से भरे पड़े हैं। सिंचाई के समय किसानों को बहुत बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है तथा सिंचाई विभाग को भी लाखों-करोड़ों रुपए हर वर्ष सिर्फ नहरों, नालियों की सफाई में खर्च करना पड़ता है। इस समय ज्दादातर गांवों में प्रवेश करते ही आपको मुहानों पर ही राख और कूड़े-कचरें का ढेर देखने के लिए मिल जाएगा। घरों से निकलने वाले राख और कूड़े से गांवों के सभी जल स्त्रोत प्रदूषित हो गये है। राख के साथ-साथ तमाम प्लास्टिक के डिस्पोजल कूड़े भी नदी,नालों,नहरों,तालाबों आदि जल स्त्रोतों के लिए बहुत बड़ी समस्या बने हुए है। जिसका शासन द्वारा अब ग्राम पंचायत स्तर पर उचित प्रबंधन किया जाना अति आवश्यक है। अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह ने कहा कि गांवों में यहां-वहां फेंके जा रहें कूड़ों से निजात पाने के लिए शासन को ग्राम पंचायत के माध्यम से हर गांव में कूड़ा यार्ड*बनवाये जाने की जरूरत है और गांव के सारे लोग सिर्फ उसी कूड़ा यार्ड में ही अपने घरों से निकलने वाले कूड़े-कचरें और राख को फेंके तथा उसके देखरेख की सारी जिम्मेदारी सफाई कर्मचारियों की होनी चाहिए।तभी इस समस्या से निजात पाया जा सकता है।

मेधावी छात्र हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के कम्पोजिट विद्यालय परसादपुर में स्कूल चलो अभियान के तहत सोमवार को बालवाटिका,हर दिन सीखे,100 डेज कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर संगोष्ठी हुई। इस दौरान मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी मंगरुराम तथा विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान चंद्रदेव सिंह पटेल रहे। इस दौरान खण्ड शिक्षा अधिकारी ने शासन के मंशानुरूप कार्य करने, बच्चो के लर्निंग आउट कम को बेहतर करने पर जोर दिया। संचालन स0अ0 सत्यनारायण वर्मा ने किया। इस दौरान कामेश्वर प्रसाद सिंह,पंकज कुमार त्रिपाठी, निर्मला पांडेय,मनीषा देवी, रितेश कुमार सिंह,अशोक राम, आनन्द कुमार सिंह, आनन्द कुमार तिवारी , व एस एम सी अध्यक्ष मीना देवी ग्रामीण उपस्थित रहे।

महिला महाविद्यालय में स्मार्ट फोन का वितरण आज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा स्थित महारानी गुलाब कुँवरि महिला महाविद्यालय में बीए व एमए थर्ड सेमेस्टर के 79 छात्राओ को मंगलवार 5 अप्रैल को दोपहर 12 बजे तहसीलदार विकास पांडेय द्वारा निशुल्क स्मार्ट फोन का वितरण किया जाएगा। प्राचार्या छाया पाठक ने छात्राओ को समय से उपस्थित होने के निर्देश देते हुए उक्त जानकारी दी।

फ्री मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

प्रखर सोनभद्र । धन्वंतरी हॉस्पिटल छपका रावटसगंज सोनभद्र उत्तर प्रदेश की तरफ से फ्री मेडिकल कैंप खलीहारी में लगाया गया जिसमें हजारों की संख्या में मुफ्त में मरीजों का इलाज किया गया धन्वंतरी हॉस्पिटल के निर्देशक डॉक्टर सुशील कृष्णमूर्ति ने बताया कि

मेरी यही एक मकसद है गरीबों का इलाज फ्री में किया जाए वही सभी प्रकार से सुविधा से धनवंतरी हॉस्पिटल में उपलब्ध है इस मौके पर डॉ प्रशांत डॉ सौरभ कुमार डॉ दीपक जायसवाल धनवंतरी के पैरामेडिकल स्टॉप जय प्रजापति शमशेर सिंह राजदीप यादव फार्मासिस्ट अमरजीत प्रताप आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

9 किसानों की 8 बीघा गेहू की फसल जली

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर कस्बा के अंतिम छोर पर स्थित सरपतहा में सोमवार की दोपहर डेढ़ बजे संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से 9 किसानों के 8 बीघा गेहू की खड़ी फसल जलकर राख हो गई।

बताया जाता है कि दोपहर डेढ़ बजे अचानक गेहू के फसल से आग की लपट उठने लगी जब तक लोग कुछ समझते और बुझाने का प्रयास करते तब तक 9 किसानों के 8 बीघा गेहू की फसल जलकर राख हो गई। फूलपुर निवासी पीड़ित किसान भैयालाल पटेल,संजूलाल पटेल, अजय पटेल,शंकरलाल पटेल, दिनेश पटेल, देवनाथ, सीताराम यादव, सुभावती यादव व थरी निवासिनी निर्मला राजभर ने बताया कि बुझाने का मौका नही मिला। वही अन्य किसानों के गेहू की फसल को मौके पर पहुचे ग्रामीणों व अग्निशमन कर्मियों ने बुझाया। वही मौके पर पहुचे क्षेत्रीय लेखपाल रमेश कुमार ने गेहू की जले फसल के बाबत किसानों से जानकारी और उन्हें उचित मुआवजा का भरोसा दिलाया।

जिला पंचायत अध्यक्षा पूनम मौर्या ने स्कूल चलो अभियान 2022 का किया शुभारम्भ

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्कूल चलो अभियान 2022 का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्षा पूनम मौर्या द्वारा किया गया।कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी काशी विद्यापीठ प्रदीप कुमार मिश्र एवं खंड शिक्षा अधिकारी आराजी लाइंस शशिकांत श्रीवास्तव एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह एवं राजेश सिंह,राजदेव,दुर्गा प्रसाद मिश्र,अतुल तिवारी,मनोज कुमार,प्रेमलता यादव, रीता राय, रश्मि दुबे आदि द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए तदुपरान्त बच्चों के साथ स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई। स्कूल चलो, स्कूल चलो,सब बच्चे स्कूल चलो। आधी रोटी खाएंगे,रोज स्कूल जाएंगे,नारे के साथ बच्चों व शिक्षकों एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार मिश्र व शशिकांत श्रीवास्तव द्वारा रैली में सहभाग किया गया संचालन सत्यप्रकाश सिंह व सपना तिवारी ने किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने लक्ष्य सेवा सदन का फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लक्ष्य सेवा सदन प्रतापपुर मिजार्मुराद वाराणसी का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया साथ में नेत्र परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा के द्वारा फीता काट के व लक्ष्य फाउंडेशन के सचिव हिमांशु त्रिपाठी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डाक्टर रंजना शर्मा जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष विनीता सिंह मंडल के संदीप जिला चिकित्सा प्रकोष्ठ डाक्टर अनिल कुमार डाक्टर सौरभ त्रिपाठी नेत्र चिकित्सक संजय कुमार डाक्टर चंद्रावती देवेंद विश्वकर्मा और तमाम सम्मानित डाक्टर व नागरिक मौजूद रहे` इस अवसर पर संस्था के सचिव हिमांशु ने कहा की हमारा उद्देश्य एक मात्र गरीबों की मदद करना और ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों की मदद करना व उनका निःशुल्क इलाज कराना है शिविर के माध्यम से ये कार्यक्रम आगे भी इसी प्रकार से चलता रहेगा।

मासूम बच्चियों ने अल्लाह के रहमत में नमाज के साथ रोजा रखा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज न्यूज। रमजान का महिना शुरू हो गया है एक माह तक रोजा रखते हुए पांच वक्त की नमाज के साथ अपने खुदा रसूल की इबादत करते हैं ।रोजा का पालन बडी ही शिद्दत के साथ करना पड़ता हैं ।इस्लाम धर्म को मानने वाले मुस्लिम समाज का यह सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है।अपने अम्मी अब्बू को देखकर परिवार मे चिलचिलाती धूप व तेज गर्मी के बाद भी बच्चे भी रोजे रखने में पीछे नहीं हट रहे हैं। सात वर्षीय अलीजा फातिमा ने अपना पहला रोजा रखा। रोजा रखने के साथ ही उसने वालिदा के साथ इबादत भी की। दोपहर बाद कमजोरी आने के बाद भी वालिदा के साथ काम में हाथ बंटाया। नगर पंचायत बृजमनगंज के इरसाद अहमद की छः वर्षीय बेटी आईमा फातिमा ने

पहला रोजा रखा। होनहार इमान फातिमा ने सात साल की कम उम्र में ही कुरआन की तिलावत मुकम्मल कर ली है। वह दीनी पढ़ाई के साथ-साथ अपनी कक्षा में भी अव्वल है। कई दिन से रोजा रखने की जिद कर रहे इमान फातिमा ने दोपहर तक का समय घर में ही गुजारा। दोपहर में उसने जौहर की नमाज अदा की तथा कुरआन शरीफ की तिलावत की। शाम के समय जोर से प्यास व भूख की शिद्दत दिखी तो कमजोरी का अहसास भी किया, लेकिन असर की नमाज अदा करने के बाद उसने घर में इफ्तारी बनाने में हाथ बंटाया। अलीजा फातिमा के पहला रोजा रखने से परिवार के लोगों में खुशी है।आलम खान ने बताया कि मेरी बच्ची शकिरा जिसकी उम्र सात वर्ष की है पहला रोजा पांच वक्त की नमाज के साथ पूरा किया अल्लाह उसे सब्र अदा फरमाये।

नवरात्र में भवानी स्वच्छता का संदेश लेकर आती हैं

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। स्वच्छता श्रमदान श्रृंखला के तहत सोमवार को नमामि गंगे के सदस्यों ने सिंधिया घाट, मणिकर्णिका घाट और रत्नेश्वर महादेव मंदिर के आसपास सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया । गंगा किनारे को प्रदूषित कर रही अनेकों सामग्रियों को समेटकर कूड़ेदान तक पहुंचाया । इस अवसर पर नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि स्वच्छता और मां गंगा की हमारे जीवन में विशेष महत्ता है । नवरात्र में भवानी स्वच्छता का संदेश लेकर आती हैं कोई भी पूजा, मन, वचन ,कर्म की शुद्धि और स्वच्छता से ही पूरी होती है। देवी उसी घर में वास करती हैं जहां आंतरिक और बाह्य शुद्धि होती है । स्वच्छता धर्म है इसलिए हर पूजा पद्धति में यह सर्वोपरि है कहा कि किसी भी पूजा पाठ में स्वच्छता का महत्व है । दो ऋतुओं की संधि पर पड़ने वाली नवरात्रि भी हमें शारीरिक और बाह्य स्वच्छता का संदेश देती है । इस अवसर पर नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला शिवम अग्रहरी, रामप्रकाश जायसवाल , रश्मि साहू , रंजीता गुप्ता, सूर्यांशु शुक्ला उपस्थित रहे।

विकास खंड अधिकारी द्वारा किया गया गांवो का औचक निरीक्षण

प्रखर मुफ्तीगंज जौनपुर। ग्राम विकास अधिकारी रामकृपाल द्विवेदी द्वारा ग्राम पसेवा में खेल मैदान,प्राथमिक विद्यालय एवं ग्राम सचिवालय का निरीक्षण किया गया खेल मैदान में चारों तरफ फेसिंग लगवाने तथा रनिंग ट्रेक बनाने का निर्देश ग्राम प्रधान आकाश कुमार व सचिव विपिन राम को दिया गया उसके बाद प्राथमिक विद्यालय का का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी के लक्ष्य का अवलोकन कराया गया जिसके बाद निर्देश दिया गया स्कूल चलो अभियान के तहत अधिक से अधिक नए नामांकन कराया जाए जिसके बाद ग्राम सचिवालय का निरीक्षण किया गया निरीक्षण जिसके बाद देवकली गांव का निरीक्षण किया गया गांव में निमार्णाधीन मनरेगा पार्क एवं नाली का भी निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान देवकली के प्रतिनिधि कमलेश यादव एवं ग्राम सचिव विपिन राय मौजूद रहे।

50 हजार के इनामी ने एसपी सिटी के दफ्तर में किया सरेंडर

सीओ शाहगंज की पुलिस टीम ने वांटेड अपराधी के घर कई दिन दिया था दबिश, घर पर बुलडोजर चलने और पुलिस काउंटर होने के खौफ से दहशत में आया यह अपराधी

प्रखर जौनपुर (संवाददाता मोहम्मद अरशद) । सुल्तानपुर और जौनपुर पुलिस के लिए सिरदर्द बने 50 हजार के इनामी अपराधी ने पुलिस काउंटर के खौफ से सोमवार को एएसपी सिटी के दफ्तर में पहुंच कर सरेंडर कर दिया। उसने खुद अपना नाम रवि तिवारी उर्फ बीर बताते हुए कहा कि साहब मुझे गिरफ्तार कर लीजिए मैं 50 हजार का इनामी अपराधी हूँ। मेरे ऊपर जौनपुर सुल्तानपुर जिले से 17 से अधिक मुकदमे दर्ज है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से पुलिस के आला अफसर भी हैरत में पड़ गए बताते चलें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी के निर्देशन में शाहगंज तहसील के तेजतर्रार डिप्टी एसपी अंकित कुमार की

पुलिस टीम अपराधियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। शाहगंज सर्किल के खेतासराय, सरपतहां, खुटहन थाना क्षेत्र के सभी वांटेड अपराधियों की गिरफ्तारी और उन्हें दबोचने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रही है। सरपतहां थाना क्षेत्र निवासी रवि तिवारी उर्फ बीर ने एएसपी सिटी डॉ संजय कुमार के दफ्तर में आत्मसमर्पण करते हुए बोला मेरे ऊपर सुल्तानपुर पुलिस ने 50000 का इनाम घोषित कर रखा है। सुल्तानपुर जनपद के करौदीकलां थाना और जौनपुर के खुटहन थाना में 302 120 बी, लूट हत्या समेत 17, अट्ठारह मुकदमे मेरे ऊपर दर्ज है। मुझे एनकाउंटर का डर था। साथ ही योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर भी मेरे घर पर शाहगंज की पुलिस टीम कई बार ले जाकर दबिश दे चुकी है। इसलिए मैंने आज हमने आपके सामने आत्मसमर्पण करने का मन बनाया है।

पूर्वजों की परम्परा का सरंक्षण जरूरी : डा. मनोज मिश्र

प्रखर जौनपुर। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने आयोजित किया होली मिलन कार्यक्रम जौनपुर।यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूनियन के अध्यक्ष विजय प्रकाश मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सचांलन डां कुवर यशवंत सिंह ने किया।होली मिलन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित मुख्य राज्स्व अधिकारी रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डां मनोज मिश्र रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर डां मनोज मिश्र नेहोली मिलन पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए पूर्वजों द्वारा स्थापित परम्पराओं को सरंक्षित रखने की आवश्यकता पर बल दिया।उन्होंने चैता,बेलवइया फगुआ के प्रस्तुतिकरण से कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान किया।इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य डां दिलीप सिंह ने पत्रकारिता के मानदंडों और होली के सामाजिक एवं वैज्ञानिक पहलू पर प्रकाश डाला।व्यगंकार सभाजीत द्विवेदी प्रखर ने सम सामयिक रचनाओं से उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।विवेक मिश्र वरदान ने गीत प्रस्तुत किया।सम्पादक आदर्श कुमार ने अपने सम्बोधन मे होली की परम्परा और सामाजिक मेल मिलाप की भावना को सशक्त करने की जरुरत बताई ।समाज सेवी संजय उपाध्याय और चन्द्र मणि पान्डेय आदि ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर डां मनोज मिश्र को अंग वस्त्रम और अबीर गुलाल लगा कर सम्मानित भी किया गया।अंत में विजय प्रकाश मिश्र ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर महामंत्री सन्तोष कुमार सोन्थालिया डां यशवंत गुप्ता ,सन्तोष श्रीवास्तव ,दीपक चिटकारिया ,दीपक मिश्रा, प्रेम प्रकाश मिश्रा, नन्द लाल मौर्य, ओमप्रकाश दूबे, लाल बहादुर यादव, जुबेर अहमद,रियाजुल हक, सन्तोष कुमार यादव, रजींत साहू, आलोक कुमार सिंह, अमरनाथ सिंह, प्रेम प्रकाश राय ,सुधाकर शुक्ला, ओमप्रकाश यादव, अमरेश पान्डेय, अभिषेक शुक्ला,सुशील कुमार स्वामी, राम चन्द्र नागर, अरुण कुमार सिंह, मनीष गुप्ता, सचिन श्रीवास्तव,राजेश मिश्र ,देवेश मिश्र, सहित अनेक पत्रकार और साहित्यकार उपस्थित रहे।इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर बधाई दी।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, बाल-बाल बचे थानेदार

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस टीम द्वारा रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर असबरनपुर गांव के समीप बस्ती से बीस हजार का इनामिया लूट व गैंगस्टर का वांछित अभियुक्त बाइक से तेज रफ्तार से आ रहा था । पुलिस के रोकने पर नहीं रुका और पुलिस टीम पर फायर करने लगा । पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी । जिससे वह घायल होकर गिर गया । फिर उसे सीएचसी रेहटी उपचार के लिए लाया गया । लेकिन डॉक्टरों की टीम ने उसे बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया । पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर दिया है। इंस्पेक्टर विजय शंकर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त का नाम बृजेश राजभर पुत्र प्यारे लाल राजभर है। और यह ग्राम करीमुल्लापुर थाना शादियाबाद जनपद गाजीपुर का रहने वाला है । तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी की बाइक, 315 बोर का तमंचा मय जिन्दाकारतूस , 1 किलो 100 ग्राम

अवैध गांजा तथा 1050 नगदी बरामद हुआ । गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर विजय शंकर सिंह के साथ एसआई मनोज पाण्डेय, हेड कांस्टेबल रिजवान व संजय राय तथा कांस्टेबल में आनंद सिंह, सुनील यादव ,भानु प्रताप सिंह मुख्य रहे ।

संक्षिप्त खबरें

ओरिएंटल कॉलेज में कंप्यूटर क्लास और स्मार्ट क्लास किया गया उद्घाटन, मुख्य अतिथि रहे ब्लाक प्रमुख अजय सिंह खलनायक

प्रखर चंदौली। जिले के धानापुर क्षेत्र में ओरिएंटल कॉलेज में कंप्यूटर क्लास और स्मार्ट क्लास किया गया उद्घाटन। मुख्य अतिथि के रूप में धानापुर ब्लाक प्रमुख श्री अजय सिंह (खलनायक)जी मौजूद रहे। विद्यालय के प्रिंसिपल अब्दुल जफर खां मुख्य अतिथि को माला पहनाकर स्वागत किए। ब्लाक प्रमुख अजय सिंह खलनायक ने कंप्यूटर क्लास व स्मार्ट क्लास का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों के प्रति बताया आप लोग खूब मेहनत और मन लगा कि पढ़ें ताकि विद्यालय का नाम रोशन हो सके .और उन्होंने बताया कि विद्यालय के प्रति जो भी सहयोग हमसे हो सकेगा धानापुर ब्लाक से मै उसको अवश्य पूरा करूंगा और जो भी गरीब परिवार जिसके पास पढ़ने के लिए कापी किताब की व्यवस्था नहीं हो पाती है फीस नहीं भर पाते हैं हमें अगर पता चला तो मैं उनको पूरा सहयोग करूंगा .इसके अलावा खेलकूद की सामग्री भी बच्चों के प्रति मैं पूरा करूंगा । उद्घाटन के दौरान ओरिएंटल कॉलेज के डायरेक्टर आतिफ भाई,नौशाद सर,अरशद खान, दीपक,कपिल, किरण ,रोशनी सिंह ,आयशा खान ,शहजादी, काजल सिंह ,मुस्कान, सरगम सर, राधेश्याम सान सर, अनस .और बीजेपी के बूथ अध्यक्ष रुस्तमखान भी मौजूद रहे।

22 साल बाद पीड़ित परिवार को मिला न्याय

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के ग्रामसभा हाजीपुर दुमितवाँ में सन 2000 में दीपावली की सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुआ था।गांव के ही कुछ दबंगों द्वारा काशीनाथ राय व उनके भाइयो के ऊपर जानलेवा हमला किया गया था।जिसमे पीड़ित परिवार के सदस्य घायल हुए थे।जिसमे पीड़ित परिवार काशीनाथ राय,जयनाथ राय,बटुकनाथ राय ने स्वतंत्र राय,अखिलेश राय,व वकील राय के ऊपर मुकदमा दर्ज कराया था।जो कि 22 साल मुकदमा चलने के बाद भी पीड़ित को न्याय नही मिला।कल 31.03.2022 कोर्ट के द्वारा पीड़ित परिवार को न्याय मिला।कोर्ट से आदेश होने के बाद इस धारा में 147/148/323/504/325/506/308 पंजीकृत किया गया था।जो कि कल कोर्ट ने सजा सुनाते हुए स्वतंत्र राय पुत्र स्व. वशिष्ठ राय,वकील राय S/O स्व. रघुनाथ राय व अखिलेश राय S/O स्व. कमला राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।दोनो पक्षों के बीच में 22 साल तक चलने के बाद स्वतंत्र,अखिलेश,वकील को 4 साल की सजा व 25000 25000 रुपए का जुमार्ना लगाया गया है।

चोलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के अध्यक्ष चुने गए डा. के.एन श्रीवास्तव व उपाध्यक्ष डॉ सजय श्रीवास्तव

प्रखर दानगंज वाराणसी। चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश वाराणसी के द्विवार्षिक अधिवेशन चुनाव श्री शिव प्रसाद गुप्त मण्डलीय जिला चिकित्सालय में चुनाव अधिकारी राकेश कुमार सिंह, जिला मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद वाराणसी एवं सदर अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की देखरेख में सम्पन्न हुआ। चुनाव कार्यक्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के समस्त संगठनों के पदाधिकारियों / सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष डाक्टर शैलेन्द्र कुमार सिंह ने की।सभी की उपस्थिति में अध्यक्ष डॉ कैलाशनाथ श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ संजय कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष योगेंद्र बहादुर सिंह, मंत्री आलोक कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष घनश्याम सिंह, संप्रेक्षक राजेश सिंह चुने गए।इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डा.आर.के. सिंह, अगिजय श्रीवास्तव, राकेश सिंह,राजेश कुमार सिंह, घनश्याम सिंह,जे.एस. उपाध्याय, अरुण कुमार मौर्या आदि उपस्थित रहे।

हाईटेक होंगे बदलापुर के सभी सरकारी अस्पताल- रमेश चंद्र मिश्र

प्रखर जौनपुर । बदलापुर के लोकप्रिय भाजपा विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सभी सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को हाईटेक किया जाएगा। यहां सभी चिकित्सा सुविधाओं और जांच से जुड़ी जरूरी संसाधन की व्यवस्था मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने रविवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा बृजेश पाठक से लखनऊ में मुलाकात की। इस दौरान जौनपुर के सभी अस्पतालों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बताया कि तहसील स्तर पर उच्च चिकित्सा सुविधा बेहतर नहीं होने के कारण गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल और वाराणसी रेफर कर दिया जाता है। इससे अक्सर मरीजों की जान चली जाती है, अगर तहसील स्तर पर सभी संसाधन पूरी तरह से उपलब्ध रहे तो गंभीर मरीजों की जान बचाई जा सकती है। जिस पर उपमुख्यमंत्री ने विधायक को भरोसा दिया कि अतिशीघ्र बदलापुर के अस्पतालों को सभी संसाधनों से लैस कर दिया जाएगा।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001
सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं